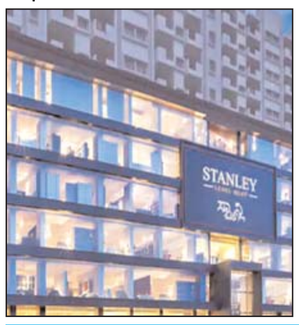

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश राजस्थान हरियाणा छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 स्टेनली लाइफस्टाइल्स का आईपीओ पहले दिन | सम्पादकीय भूमिगत जलस्तर | अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंची, वेस्टइंडीज को 3 5

वर्ष 11 अंक 33 E-mail: dholpur@hotmail.com फरीदाबाद, मंगलवार 25 जून 2024 ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

देश चलाने के लिए आम सहमति अत्यंत महत्वपूर्ण : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी व वरिष्ठ मंत्रियों ने 18वीं लोकसभा के सदस्य के रूप में ली शपथ

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राजनाथ सिंह तथा अमित शाह सहित उनके मंत्रिपरिषद के सदस्यों ने 18वीं लोकसभा के पहले सत्र के पहले दिन सोमवार को संसद सदस्य के रूप में शपथ ली।

मोदी इस महीने की शुरुआत में लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटे। प्रधान मंत्री और उनके मंत्रिपरिषद ने 9 जून को शपथ ली। लोकसभा सदस्य के रूप में यह उनका तीसरा कार्यकाल है। बता दें कि पीएम मोदी ने वाराणसी सीट बरकरार रखी, जिस पर वह 2014 से जीत रहे हैं। सदन के नेता के रूप में, वह शपथ लेने वाले पहले व्यक्ति थे। सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा लगाए गए जय श्री राम के नारों के बीच मोदी ने हिंदी में शपथ ली। राजनाथ सिंह, अमित शाह और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भी 18वीं लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। जबकि सिंह ने उत्तर प्रदेश में लखनऊ सीट बरकरार रखी है, शाह गुजरात के गांधीनगर से और गडकरी महाराष्ट्र के नागपुर से लौट आए हैं। तीनों ने हिंदी में शपथ ली।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, बिजली मंत्री मनोहर लाल खट्टर, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी और मत्स्य पालन और पशुपालन मंत्री राजीव रंजन (ललन) सिंह ने भी नई लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। मांझी और राजीव रंजन (ललन) सिंह क्रमशः एनडीए साझेदार हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) और जेडी-यू से हैं। इस्पात और भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कन्नड़ में, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने उड़िया में, बंदरगाह और जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने असमिया में, नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू और कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने तेलुगु में और उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कन्नड़ में शपथ ली। कार्यवाही शुरू होने से पहले, सभी सदस्य नए सदन की पहली बैठक के महत्वपूर्ण अवसर को चिह्नित करने के लिए कुछ सेकंड के लिए मौन खड़े हुए।

विपक्ष से अच्छे कदमों की उम्मीद

पीएम मोदी ने कहा, देश की जनता को विपक्ष से अच्छे कदमों की उम्मीद है। मुझे उम्मीद है कि विपक्ष लोकतंत्र की गरिमा बनाए रखने के लिए देश के आम नागरिकों की उम्मीदों पर खरा उतरेगा। लोग ड्रामा, उपद्रव नहीं चाहते। लोग सार चाहते हैं। देश को अच्छे विपक्ष की जरूरत है, जिम्मेदार विपक्ष की जरूरत है और मुझे पूरा विश्वास है कि इस 18वीं लोकसभा में जो सांसद जीतकर आए हैं, वे आम आदमी की इन अपेक्षाओं को पूरा करने का प्रयास करेंगे।

मां भारती की सेवा करने का हमारा निरंतर प्रयास रहेगा - पीएम मोदी

सत्र से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मीडिया से कहा, संसदीय लोकतंत्र में, यह एक गौरवशाली दिन है। आजादी के बाद पहली बार, शपथ ग्रहण समारोह हमारे अपने नए संसद भवन में हो रहा है। पीएम ने कहा, पिछले 10 वर्षों में, हमने हमेशा एक परंपरा को लागू करने का प्रयास किया है क्योंकि हमारा मानना है कि सरकार चलाने के लिए बहुमत की आवश्यकता होती है लेकिन देश चलाने के लिए आम सहमति अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए, मां भारती की सेवा करना हमारा निरंतर प्रयास रहेगा। हम सबकी सहमति से, सबको साथ लेकर, 140 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं और महत्वाकांक्षाओं को पूरा करना चाहते हैं, संविधान की पवित्रता को बनाए रखते हुए, सबको साथ लेकर निर्णयों को गति देना चाहते हैं।

पीएम ने आपातकाल को किया याद

उन्होंने कहा, कल 25 जून है। 25 जून को भारत के लोकतंत्र पर लगे उस धब्बे के 50 साल पूरे हो गए। भारत की नई पीढ़ी यह कभी नहीं भूलेगी कि भारत के संविधान को पूरी तरह से खारिज कर दिया गया था, संविधान के हर हिस्से को टुकड़े-टुकड़े कर दिया गया था। देश को जेलखाने में बदल दिया गया, लोकतंत्र को पूरी तरह से कुचल दिया गया। हमारे संविधान की रक्षा करते हुए, भारत के लोकतंत्र की रक्षा करते हुए, लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा करते हुए, देशवासी संकल्प लेंगे कि दोबारा कोई भारत में ऐसा करने की हिम्मत नहीं करेगा। जो 50 साल पहले किया गया था, हम भारत के संविधान के निर्देशों के अनुरूप एक जीवंत लोकतंत्र का संकल्प लेंगे।

जबलपुर एयरपोर्ट और मदन महल फ्लायओवर वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम से जाना जाएगा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर किया संबोधित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वीरांगना रानी दुर्गावती ने न केवल अकबर की सेना को तीन बार परास्त किया अपितु सुशासन और जल प्रबंधन के क्षेत्र में भी कई नवाचार करते हुए क्षेत्र को जनोन्मुखी शासन व्यवस्था प्रदान की। जबलपुर एयरपोर्ट और मदन महल से होकर गुजरने वाला फ्लायओवर वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम से जाना जाएगा। गढ़ में रानी दुर्गावती के नाम पर स्टेडियम के लिए भी भारत सरकार से अनुमति दिलाने का प्रयास भी राज्य शासन द्वारा किया जाएगा। क्षेत्र के तालाबों व जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार भी प्राथमिकता से करेंगे। यह उनकी वीरता और पराक्रम को आदरांजलि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अकबर का दौर कठिनकाल था, एक ओर जहाँ महाराणा प्रताप उससे संघर्ष कर रहे थे, वहीं वनांचल में वीरांगना रानी दुर्गावती ने अकबर की सेना से लोहा लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर जबलपुर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती के जीवन, उनके पराक्रम और सुशासन के लिए किए गए नवाचारों को देश-दुनिया के सामने लाने के उद्देश्य से इन्हें पाठ्यक्रम में शामिल करने के साथ-साथ इन विषयों पर सेमिनार भी आयोजित किए जाएंगे। वीरांगना रानी दुर्गावती के विविध पक्षों को सामने लाने के लिए 5 लाख रूपए का पुरस्कार भी घोषित किया गया है। जबलपुर सहित प्रदेश में प्रतिमाह सांस्कृतिक एवं बौद्धिक आयोजन भी होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रानी दुर्गावती के 500 वें जन्मशताब्दी वर्ष में उनके प्रति सम्मान और कृतज्ञता ज्ञापित करने के उद्देश्य से ही पहली कैबिनेट जबलपुर में आयोजित की गई। भारतीय संस्कृति, सभ्यता और परम्पराओं के सम्मान व रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वाले वीरांगना रानी दुर्गावती जैसे व्यक्तित्वों के जीवन संघर्ष के अनछुए पहलुओं से जनसामान्य को परिचित कराने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में निरंतर कार्य जारी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती और रानी अवंतीबाई लोधी ऐतिहासिक रूप से नारी शक्ति की अभिव्यक्ति रही हैं। उन्होंने यह सिद्ध किया कि युद्ध हो या शासन व्यवस्था महिलाएं कहीं भी पीछे नहीं हैं। इसी क्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने जनजातीय प्रतिभा का प्रकटीकरण करते हुए भारतीय महिलाओं की क्षमता से देश ही नहीं दुनिया को अवगत कराया है। राज्य सरकार कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए समर्पित है।

श्रद्धांजलि अर्पित की

गोंडवाना साम्राज्य की महारानी अदम्य शौर्य, पराक्रम और स्वाभिमान की प्रतीक वीरांगना रानी दुर्गावती के 461 वें बलिदान पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज यहाँ नरई नाला स्थित समाधि स्थल पहुँचकर पूजा-अर्चना की तथा रानी को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री

विधायक रामनिवास रावत ने की मुख्य मंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात

भोपाल। सोमवार को भोपाल में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से विधायक रामनिवास रावत ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया। इस दौरान विधायक श्री रावत ने मुख्यमंत्री से कहा कि विजयपुर व श्योपुर क्षेत्र के विकास के लिए आदेश दिए जाएं।

रूस में 3 जगह आतंकी हमले 15 पुलिसकर्मियों की मौत

दागिस्तान। रूस के दागिस्तान में रविवार (23 जून) को आतंकियों ने दो चर्च, एक सिनेगॉग (यहूदी मंदिर) और एक पुलिस पोस्ट पर हमला कर दिया। इसमें एक पादरी, 15 पुलिसकर्मियों के अलावा कई आम नागरिकों की भी मौत हो गई। पुलिस के 25 जवान भी घायल हैं। वहीं, 4 आतंकी भी मारे गए हैं। सीएनएन के मुताबिक आतंकियों ने पादरी का गला काट दिया था। पादरी 66 साल के थे। जिस यहूदी मंदिर और चर्च पर हमला हुआ वे दागिस्तान के डर्बेंट शहर में हैं, जो मुस्लिम बहुल इलाके उत्तरी काकेशस में यहूदी समुदाय का गढ़ है। जिस पुलिस स्टेशन पर हमला हुआ वह डर्बेंट से 125 किमी दूर दागिस्तान की राजधानी माखचकाला में है। रूस की नेशनल एंटी-टेररिज्म कमेटी ने भी एक बयान में हमले की पुष्टि की है। दागिस्तान के आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने कहा कि हथियारबंद लोगों के एक समूह ने एक सिनेगॉग और एक चर्च पर गोलीबारी की। इनमें चार आतंकियों को मार गिराया गया। कुछ भाग गए।

नेतन्याहू ने पत्नी-बेटों के लिए आजीवन सिक्योरिटी की मांग की

जेरूशेलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी पत्नी और बेटों के लिए जीवनभर की सिक्योरिटी की मांग की है। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक महीने की शुरुआत में ही नेतन्याहू ने इजराइल की घरेलू खुफिया एजेंसी शिन बेत से पत्नी और बेटों की जीवनभर की सिक्योरिटी डीटेल्स पर रिपोर्ट मांगी।

जीत के बाद गुना आगमन पर केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का हुआ आत्मीय स्वागत

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

गुना। केंद्रीय दूर संचार व उत्तर पूर्व क्षेत्र विकास के मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया अपनी लोकसभा क्षेत्र गुना में एतिहासिक जीत के बाद पहली बार गुना पहुँचे। गुना में प्रवेश करते ही कार्यकर्ताओं व समर्थकों द्वारा स्वागत की एक लड़ी लग गई, हर कुछ मीटर पर समर्थकों व कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत मंच बनाया गया था , हर जगह रुक कर केंद्रीय मंत्री ने जनता का स्वागत अभिनंदन को स्वीकार किया। लक्ष्मीगंज चौराहे से सदर बाज़ार के अंदर बाज़ार से होते हुए हाट बाज़ार तक और इसके बाद मेन रोड होते हुए वह सर्किट हाउस तक सिंधिया का स्वागत बड़ी धूमधाम से हुआ। हज़ारों की भीड़ ने जीत के बाद आए केंद्रीय मंत्री का स्वागत अभिनंदन किया। गुना में आज तीन हज़ार से अधिक कार्यकर्ताओं के लिए रात्रि भोज का भी प्रबंध किया गया।

ओपन जीप से बाज़ार से सर्किट हाउस तक गए सिंधिया

लक्ष्मी गंज चौराहे से बाज़ार में आने के बाद केंद्रीय मंत्री ओपन जीप ज्योतिरादित्य सिंधिया सवार हो गए बैंड और फटाकों के धूम के साथ हज़ारों लोगों ने केंद्रीय मंत्री तक अपनी ओर से माला पहनाई । बाज़ार के दोनो तरफ व घरों से केंद्रीय मंत्री पर बाज़ार की जनता पुष्प अर्पण किया।

जमकर झूमें लोग, हवा में उड़े ड्रोन

केंद्रीय मंत्री व अपने नेता के स्वागत में लोग जमकर बैंड की धुन में नाचे, जब स्पीकर पर कई मंचो से ज्योतिरादित्य का कैम्पेन सॉग सिंधिया दिल से बजाया गया तब इसके धुन में समर्थक खूब झूमकर कर नाचे । पूरे आभार यात्रा में हवा में ड्रोन से रिकार्डिंग की गई ।

तीन हज़ार लोगों के भोजन की व्यवस्था की गई है

आभार यात्रा के बाद शहर के कम्यूनिटी हाल में सामूहिक भोज का भी आयोजन किया गया । केंद्रीय मंत्री भी भोज में शामिल हुए व कार्यकर्ताओं व समर्थकों के साथ रात्रि भोज किया। बता दें की हाल ही में हुए लोक सभा चुनाव में सिंधिया ने 5 लाख 40 हज़ार से जीत कर एक कीर्तिमान स्थापित किया है।

आत्मानुभुति ही मनुष्य जीवन का परम लक्ष्य है: स्वामी अवधेशानंद जी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

हरिद्वार। श्रीमत् परमहंस, परिव्राजकाचार्य, श्रोत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, जूनापीठाधीश्वर, आचार्य महामण्डलेश्वर, अनंत श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज ने कहा कि- आनन्द हमारा मूल स्वभाव है। इसलिए जब हम शाश्वत आह्लाद का अन्वेषण कर रहे हों तो यह समझना आवश्यक है कि वह हमें बाह्य जगत से प्राप्त नहीं होगा। शास्त्रों में परमात्मा को सत् चित् और आनन्द स्वरूप माना गया है और परमात्मा के अंश स्वरूप होने के कारण हम में भी वही दिव्य भगवदीय सामर्थ्य विद्यमान है। भारतीय और पश्चिमात्य दर्शन में मूलभूत अन्तर यह है कि पश्चिमी चिन्तन शरीर और इन्द्रिय जन्य सुखों को ही सर्वोच्च मानकर उन्हीं की संपूर्ति एवं अन्वेषण के लिए प्रयत्नशील है, किन्तु स्थायी आनन्द इन्द्रियों से परे आत्मानुभूति का विषय है ..! बाह्य जगत के वस्तु पदार्थ अस्थिर और अतृप्ति कारक हैं, इन नश्वर और अपूर्ण वस्तु पदार्थों में आसक्ति ही दुःख का मूल कारण है। सुख का मूल स्रोत परमात्मा है और वह हमारे अंतस् में ही विद्यमान है। यह आत्मानुभुति ही मनुष्य जीवन का परम लक्ष्य है। आत्मानुभुति आत्म-दर्शन से ही होगी। आत्मानुभुति में विषयानुभूति के लिए अवकाश नहीं है। उसी तरह जो विषयानुभूति ले रहा है वह स्वानुभूति से वंचित रहेगा तथा जो स्वानुभूति ले रहा है वह विषयानुभूति से वंचित रहेगा। जो दोनों को एक साथ लेने का प्रयास कर रहा है। वह कहीं का आनन्द नहीं ले पाता। दोनों से वंचित रह जाता है। स्वामी जी कहा करते हैं कि आनन्द जीव का मूल स्वभाव है, इसलिए जब हम शाश्वत आह्लाद की खोज कर रहे हों तो यह समझना आवश्यक है कि वह हमें बाह्य जगत से प्राप्त नहीं होगा। शास्त्रों में परमात्मा को सत, चित व आनन्द स्वरूप माना गया है। परमात्मा का अंश स्वरूप होने के कारण जीवात्मा में भी वही दिव्य भगवदीय सामर्थ्य विद्यमान है। स्थायी आनन्द इन्द्रियों से परे आत्मानुभूति का विषय है। बाह्य जगत के वस्तु पदार्थ अस्थिर और अतृप्ति कारक हैं, इसलिए उनसे स्थायी सुख की अपेक्षा करना व्यर्थ है। हमें यह समझना होगा कि प्रसन्नता पदार्थ सापेक्ष नहीं, अपितु चिन्तन एवं विचार सापेक्ष है। हम अज्ञान के कारण भौतिकीय उत्कर्ष को ही सुख और समृद्धि का मानक समझते हैं यही मनुष्य के दुःख का कारण भी है।

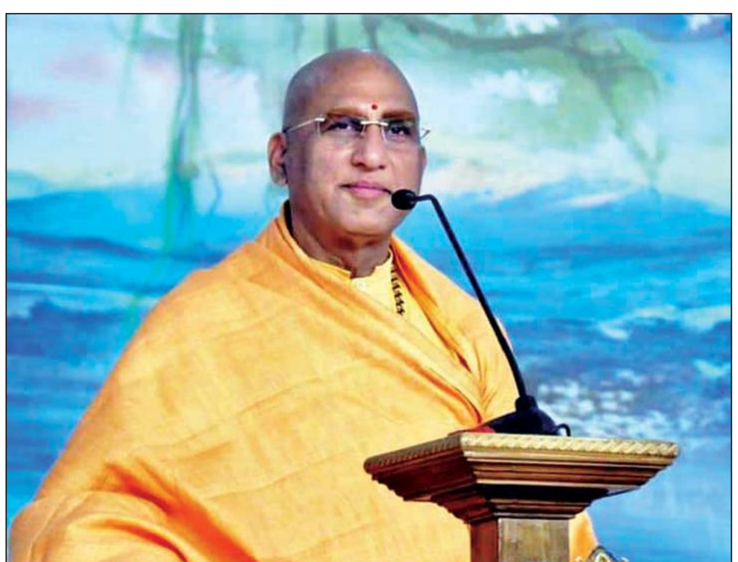

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - हमें स्थायी आनन्द की प्राप्ति के लिए स्वयं को जानना होगा। गीता में अध्यात्म को स्वभाव की यात्रा कहा गया है, अर्थात् स्वरूप सिद्धि के लिए अथवा जो हम हैं, उसके ज्ञान व आत्म-बोध के लिए हमें आध्यात्मिक जीवनशैली का अनुगमन और अनुशीलन करना चाहिए। सुख का मूल स्रोत परमात्मा हैं और वह हमारे भीतर ही विद्यमान हैं। किन्तु, बाह्य जगत के झँझावात व इन्द्रियों के भ्रमजाल के कारण हम शाश्वत आह्लाद से वंचित और विमुख हैं। इसलिए हमें सत्संग, स्वाध्याय व सद्विचारों का आश्रय लेकर आत्मानुसंधान के लिए तत्पर रहना चाहिए। जीवन का वास्तविक सुख और आनन्द यही है। स्वामी जी ने कहा कि हम सभी का जीवन सुख-दुःख से निर्वाह होता है। इसलिए हमें सुख-दुःख के भावों से ग्रस्त अपने जीवन के समस्त विकारों को भूल कर वही कर्म करते रहना चाहिए, जिनसे हमें आत्म प्रसन्नता मिले। यहाँ आत्म प्रसन्नता से तात्पर्य उस सुखानुभूति से है जो हमारी नितान्त-एकान्त अनुभूति होती है, जिसे हमारे अतिरिक्त कोई और अनुभूत नहीं कर सकता। इस आत्म-स्थिति में हमें कुछ भी विचलित नहीं करता। इसमें हम मंद-मंद चलती पवन की तरह पुलकित तत्व होते हैं। इस अवस्था में हमें अपने लिए किसी विचार, सुधार, पुरस्कार और चमत्कार की कामना नहीं होती। हमारा जीवन निर्भीक-निर्द्वंद्व हो आनन्द में व्यतीत होता है और जो कुछ भी हमारे भौतिक जीवन में घट रहा होता है, उसके लिए हमारी दृष्टि में केवल विनम्रता और संवेदना ही होती है। यह जीवनवृत्ति हम तब धारण करते हैं जब हमारा जीवन श्रमशील बनता है। मानवीय जीवन के अमूल्य समय का सदुपयोग वही व्यक्ति कर सकता है और अन्य मानवों के लिए भी जीवन की हर स्थिति, परिस्थिति में श्रेष्ठता का आदर्श बन सकता है, जो सत्यनिष्ठा से परिश्रमी जीवन जीता हो और तन-मन से स्वस्थ हो। सभी नकारात्मक भाव-विचारों व व्यवहार से मुक्त जीवन जो जीता है, उसे जीवन में चमत्कारिक परिणाम अवश्य प्राप्त होते हैं।

उ.प्र. के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले एमएलसी विधायक विजय शिवहरे

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

लखनऊ। आगरा के वरिष्ठ भाजपा नेता व एमएलसी विधायक विजय शिवहरे ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गत दिवस लखनऊ में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान श्री शिवहरे ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से विभिन्न राजनैतिक बिंदुओं पर चर्चा करते हुए उत्तरप्रदेश के विकास को लेकर खास चर्चा की। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ जी जब से प्रदेश के मुख्यमंत्री बने हैं तब से यहां विकास के नये आयाम स्थापित हुए हैं। प्रदेश में गुंडाराज लगभग खत्म हो गया है। जो भी व्यक्ति गुंडाराज चलाने का प्रयास करेगा उसे नेस्तानाबूद कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री शिवहरे को आश्वस्त किया कि विकास के मामले में हमारा उत्तरप्रदेश पीछे नहीं है और भविष्य में भी पीछे नहीं रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सभी लोगों को साथ लेकर चलने में विश्वास करती है।

एबीवी-आईआईआईटीएम ग्वालियर में 'बायोमेडिकल सिग्नल और ऑडियो सिग्नल प्रोसेसिंग के लिए मशीन लर्निंग में हैंड्स-ऑन कोर्स' का उद्घाटन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। सोमवार को एबीवी-आईआईआईटीएम ग्वालियर में दो बहुप्रतीक्षित अल्पकालिक कोर्स की शुरुआत के लिए एक महत्वपूर्ण उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। 'बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग के लिए मशीन लर्निंग में हैंड्स-ऑन कोर्स' जो 24 जून से 30 जून 2024 तक और 'ऑडियो सिग्नल प्रोसेसिंग के लिए मशीन लर्निंग में हैंड्स-ऑन कोर्स' जो 01 जुलाई से 07 जुलाई 2024 तक आयोजित होंगे। ये गहन कोर्स प्रतिभागियों को बायोमेडिकल और ऑडियो सिग्नल प्रोसेसिंग के तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों में अत्याधुनिक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल प्रदान करने का वादा करते हैं। समारोह की शुरुआत ज्ञान और शिक्षा की देवी सरस्वती की पारंपरिक वंदना से हुई। इसके बाद सभी गणमान्य व्यक्तियों, अतिथियों और प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया गया। कोर्स समन्वयकों, डॉ. आई.ए. अंसारी, डॉ. विनल पटेल, डॉ. बिनोद प्रसाद, डॉ. प्रज्ञा स्वामी और डॉ. गौरव शर्मा का परिचय और उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए आभार व्यक्त किया गया। डॉ. आई. ए. अंसारी ने समन्वयक टीम की ओर से कोर्स के उद्देश्यों और सावधानीपूर्वक योजना बनाए गए कार्यक्रम का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। डॉ. विनाल पटेल ने पाठ्यक्रम की जानकारी दी, जिसे सैद्धांतिक अवधारणाओं को वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों से जोड़ने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे सभी प्रतिभागियों के लिए एक व्यापक सीखने का अनुभव सुनिश्चित हो सके। इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग (EEE) विभाग के प्रमुख ने इस पहल की सराहना की, और सिग्नल प्रोसेसिंग में नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देने में ऐसे कोर्सों के महत्व पर जोर दिया। अकादमिक, अनुसंधान, छात्र मामलों, और योजना और विकास के डीन ने प्रत्येक ने दर्शकों को संबोधित किया, और इन कार्यक्रमों में शामिल अकादमिक कठोरता, अनुसंधान अवसरों और छात्र समर्थन प्रणालियों को उजागर किया। संस्थान के निदेशक, प्रो. एस. एन. सिंह ने मुख्य भाषण दिया, जिसमें उभरती हुई प्रौद्योगिकियों में ज्ञान और कौशल को बढ़ावा देने के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने तकनीकी विकास और स्वास्थ्य सेवा नवाचार के व्यापक संदर्भ में इन कोर्सों के रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डाला। समारोह में 90 से अधिक उपस्थित लोगों, जिनमें संकाय, छात्र और पेशेवर शामिल थे, ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह कार्यक्रम हाइब्रिड मोड में आयोजित किया गया ताकि व्यक्तिगत और दूरस्थ शिक्षार्थियों दोनों को समायोजित किया जा सके। यह लचीलापन व्यापक पहुंच और समावेशिता सुनिश्चित करता है, जिससे प्रतिभागियों की विविध आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। समारोह के समापन पर, सभी गणमान्य व्यक्तियों, आयोजकों और प्रतिभागियों को उनके अमूल्य योगदान और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया गया। अब ये कोर्स शुरू होने के लिए तैयार हैं, और सभी शामिल लोगों के लिए कठोर अध्ययन, व्यावहारिक अभ्यास और महत्वपूर्ण शैक्षणिक और पेशेवर विकास का एक सप्ताह वादा करते हैं। अधिक जानकारी के लिए, इच्छुक व्यक्ति कोर्स समन्वयकों से संपर्क कर सकते हैं या संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट पर जा सकते हैं।

शेमारू उमंग के 'चाहेंगे तुम्हे इतना' शो में हुई अभिनेत्री आरज़ू गोवित्रिकर की एंट्री

शेमारू उमंग के 'चाहेंगे तुम्हें इतना' में आशी और सिद्धार्थ का किरदार निभाने वाले स्वाति शर्मा और भरत अहलावत की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीतने में कोई कमी नहीं छोड़ी है, जिसके चलते वे उनकी पसंदीदा जोड़ी बन गए हैं। शो में कई बाधाओं को पार करने के बाद, सिद्धार्थ और आशी आखिरकार शादी के बंधन में बंध गए हैं। हालांकि, एक नए किरदार के आने से उनका यह सफर अब नया मोड़ लेने वाला है।

विभिन्न लोकप्रिय शोज में अपनी विविध भूमिकाओं के लिए जानी जाने वाली प्रसिद्ध अभिनेत्री आरज़ू गोवित्रिकर ने छह साल के अंतराल के बाद टेलीविजन पर वापसी की है। वह 'चाहेंगे तुम्हें इतना' शो में सिद्धार्थ की नीलिमा मौसी के रूप में नज़र आ रही हैं, जिन्होंने उसे अपने बेटे के रूप में पाला है। हालांकि, नीलिमा के किरदार के कई लेयर्स हैं, जो इस कहानी के आगे बढ़ने के साथ सामने आएँगे।

शो में अपनी एंट्री के बारे में बात करते हुए आरज़ू गोवित्रिकर कहती हैं, 'मैं शेमारू उमंग के 'चाहेंगे तुम्हें इतना' शो का हिस्सा बनकर बहुत खुश और रोमांचित महसूस कर रही हूँ। काफी समय तक टेलीविजन से दूर रहने के बाद, मैं अपनी मजबूत वापसी के लिए एक अनोखी भूमिका की तलाश में थी और नीलिमा का किरदार बिल्कुल सही समय पर मेरे पास आया। इस कहानी ने वास्तव में मेरा ध्यान खींचा और मैं नीलिमा के किरदार को चित्रित करने के लिए बहुत उत्साहित हूँ, क्योंकि यह भूमिका मेरे द्वारा पहले की गई सभी भूमिकाओं से बहुत अलग है

मध्य प्रदेश अपना दल (एस) कैदियों के पुनर्वास और कल्याण को ध्यान में रख मनाएगा जन स्वाभिमान दिवस

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल। अपना दल (एस) मध्य प्रदेश इकाई द्वारा 02 जुलाई को स्व. डॉ. सोनेलाल पटेल जी की जयंती के अवसर पर जन स्वाभिमान दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ता अपने-अपने जिलों की जेलों में जाकर कैदियों के पुनर्वास और कल्याण के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करेंगे। इस दौरान कैदियों के बीच मिठाई और फल वितरित कर उनके साथ इस विशेष दिन को मनाया जाएगा। उत्तर प्रदेश के तीसरे सबसे बड़े राजनीतिक दल, अपना दल के संस्थापक स्व. डॉ. सोनेलाल पटेल ने समाज में हाशिए पर खड़े वर्गों के उत्थान और अधिकारों की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित किया था। इसे केंद्र में रखकर उनकी जयंती को जन स्वाभिमान दिवस के रूप में मानते हुए, उनके सिद्धांतों और आदर्शों के प्रति जागरूकता लाने का प्रयास किया जाता है। इस अवसर पर राजनीतिक रणनीतिकार अतुल मलिकराम ने कहा, डॉ. सोनेलाल पटेल का जीवन संघर्ष और सेवा का प्रतीक है। उनके आदर्शों को जीवित रखने के लिए हम कैदियों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझने और उनके पुनर्वास के प्रयासों में योगदान देने का संकल्प लेते हैं। यह पहल केवल एक सांकेतिक कार्य नहीं है, बल्कि समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी और सेवा भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा, निश्चित रूप से यह पहल हमारे समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कैदियों को मिठाई और फल वितरित करना एक छोटा सा प्रयास है, लेकिन इसका उद्देश्य उन्हें यह एहसास दिलाना है कि समाज उनके पुनर्वास के लिए प्रतिबद्ध है। जन स्वाभिमान दिवस पर अपना दल (एस) मध्य प्रदेश इकाई के सभी कार्यकर्ताओं ने समाज के विभिन्न वर्गों से अपील की है कि वे इस दिन को जन स्वाभिमान दिवस के रूप में मनाएं और स्वर्गीय डॉ. सोनेलाल पटेल जी के आदर्शों को आत्मसात करें।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र दद्दा जी की जयंती पर समृद्ध किसान- समृद्ध बुंदेलखंड सम्मेलन 18 जुलाई को, धवर्रा में होगा भव्य आयोजन

- कृषि कार्यों से जुड़े हुए ग्रामीण जनों को किया जाएगा लाभान्वितः डॉ. राकेश मिश्र

- उत्तर प्रदेश व मध्यप्रदेश के अनेक मंत्रियों के आगमन की तैयारियों में जुटे क्षेत्रवासी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

सतना/छतरपुर/महोबा। श्री गणेश आईटीआई ईशानगर रोड नौगांव में दद्दा जी की जनशताब्दी मनाने कार्यकर्ताओं की बैठक में सभी कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। सभी कार्यकर्ताओं को अलग-अलग विभागों का दायित्व दिया गया।

सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पं. गणेश प्रसाद मिश्र जी की जन्म शताब्दी वर्ष का अब समापन समारोह हो रहा है।दद्दा जी की जनशताब्दी में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश व हरियाणा के कई मंत्रियों की उपस्थिति में दिनांक 18 जुलाई 2024 को उनके जन्म स्थान ग्राम-धवर्रा (नौगाँव) में पं गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर में होगा।

इस सम्मेलन के माध्यम से किसानों की समृद्धि के लिए उन्नत खेती, समृद्ध किसान के लिए लगातार क्रियाशील रहा है। साल भर चले जन्मशती वर्ष के समापन के उपलक्ष्य में प्राकृतिक कृषि एवं प्रौद्योगिकी, बाग़वानी, कचरा निष्पादन एवं सौर ऊर्जा के माध्यम से आधुनिक खेती के द्वारा किसानों की आमदनी दोगुनी करने में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से इस तरह का विशाल आयोजन किया जा रहा है।जिसमें दो हज़ार किसान सम्मिलित होंगे।

कृषि कार्य से जुड़े हुए ग्रामीण जनों को किया जाएगा लाभान्वितः डॉ. राकेश मिश्र

देश भर में अच्छा कार्य कर रहे कृषि विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों के विचारों से किसान लाभान्वित होंगे। कृषि व ग्रामीण विकास के क्षेत्र में कार्य करने के

लिए पद्म पुरस्कार से सम्मानित महानुभावों को आमंत्रित किया गया है, ताकि उनके अनुभवों से किसानों एवं कृषि कार्य से जुड़े हुए ग्रामीण जनों को लाभान्वित किया जायेगा।

उत्तर प्रदेश व मध्यप्रदेश के कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रियों के आगमन की तैयारियों में जुटे क्षेत्रवासी

इस सम्मेलन में कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश के किसानों के साथ पद्मश्री सम्मान प्राप्त करने वाले किसानों का उन्नत खेती के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होगा। साथ ही उत्तर प्रदेश व मध्यप्रदेश के कृषि, पशुपालन एवं ग्रामीण विकास मंत्रियों के आगमन की सहमति मिल चुकी है।

आयोजन स्थल पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर धवर्रा का कार्यकर्ताओं ने किया मौक़ा मुआयना

धवर्रा गाँव के खेल परिसर में व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया गया । सभी कार्यकर्ताओं ने टेंट, लाइट, पानी, भोजन व सामग्री वितरण के लिये मैदान की वस्तु स्थिति को समझकर विभागों का वितरण किया गया।

इनकी रही उपस्थिति

आज की बैठक में प्रमुख रूप से पूर्व विधायक गुड्डन पाठक, कमला प्रसाद दीक्षित, अंबिका प्रसाद मिश्रा, अनूप कुमार तिवारी, डॉ. आरए सेन, डॉ. राजीव सिंह, डॉ. बीना पाठी, धीरेंद्र गुप्ता, नरेश वर्मा, रामचरण पाठक, संतोष गंगेले, राहुल साहू, बीजी अहिरवार, श्याम सुंदर अरजरिया, आर.के. त्रिवेदी, बॉबी असाटी, रामनरेश चतुर्वेदी, विवेक सूर्यवंशी, प्रवीण दुबे,सुशील पटेरिया, नरेंद्र कुमार मिश्रा, राजकुमार पाठक, सुनील कुमार रावत, नरेंद्र मिश्रा, विनायक श्रीवास्तव, विक्की पाठक, सन्नो सक्सेना, दिनेश गुप्ता, धीरेंद्र शिवहरे, साहित्य मिश्रा, सुशील द्विवेदी, अनिल कुमार खरे एवं समाजसेवी प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

एंड पिक्चर्स पर 'तरला' के टेलीविज़न प्रीमियर के मौके पर हुमा कुरैशी के साथ खास चर्चा

1. क्या आप हमें 'तरला' और अपने द्वारा निभाए गए किरदार के बारे में कुछ बता सकती हैं?

यह फिल्म तरला नाम की एक महिला के बारे में है, जो अपनी ज़िंदगी में कुछ खास हासिल करने का सपना देखती है। अपने परिवार के शादी करने पर ज़ोर देने के बावजूद, उसे अपने पति नलिन का साथ मिलता है, जो उसकी पसंद के साथ खड़ा रहता है। हालाँकि, पारंपरिक लैंगिक भूमिकाएँ अक्सर उनकी आकांक्षाओं को पीछे धकेल देती है। तरला माँसाहारी व्यंजनों के शाकाहारी संस्करण बनाना शुरू करती है, जो उसकी अनूठी विशेषता बन जाती है। आखिरकार, वह कुकिंग क्लासेस लेना शुरू कर देती है, जो पाक कला की दुनिया में उनके सफर की शुरुआत होती है। मैं तरला का मुख्य किरदार निभा रही हूँ और उसकी कहानी को जीवंत करना एक शानदार अनुभव रहा है।

2. आपको इस किरदार और इस कहानी के लिए किस बात ने आकर्षित किया?

मैं तरला के हौंसले और रचनात्मकता से काफी आकर्षित हुई। किसी पारंपरिक चीज़ में अपना खुद का अभिनव मोड़ देने की उनकी क्षमता बहुत प्रेरणादायक थी। यह अपने सपनों और अपने परिवार की जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाने की कहानी भी है, जिससे कई लोग जुड़ सकते हैं। साथ ही, ऐसे किरदार को निभाना हमेशा रोमांचक होता है, जो बेमतलब के रिवाजों को तोड़ता है और अपना रास्ता खुद बनाता है।

3. आपने तरला की भूमिका के लिए कैसे तैयारी की, खासकर तब जब कहानी में भोजन पकाना एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है?

मुझे रसोई में काफी सहज होना पड़ा! मैंने खाना बनाते समय विश्वसनीय दिखने के लिए कुकिंग भी सीखी। तरला के व्यक्तित्व और उनके सफर की बारीकियों को समझना भी जरूरी था। मैंने उनकी पृष्ठभूमि, उनकी प्रेरणाओं और उनके संघर्षों के बारे में जानने में समय बिताया, ताकि मैं उनके किरदार को हर तरह से प्रामाणिक रूप से चित्रित कर सकूँ।

4. 'तरला' पारंपरिक लैंगिक भूमिकाओं और उम्मीदों को चुनौती देती मालूम होती हैं। आपको क्या लगता है कि यह फिल्म लैंगिक समानता को लेकर चर्चा छेड़ने में किस तरह योगदान देती है? 'तरला' निश्चित रूप से उन चुनौतियों को छूती हैं, जिनका सामना महिलाओं को अपने सपनों और सामाजिक अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाने में करना पड़ता है। तरला का सफर और तमाम चुनौतियों के बावजूद सफल होने के उनके अटूट इरादों को पेश करके। यह फिल्म लैंगिक समानता और महिलाओं की महत्वाकांक्षाओं में उसका साथ देने के बारे में बातचीत में योगदान देती है। यह याद दिलाता है कि पारंपरिक भूमिकाओं से अलग होकर अपने जुनून का पीछा करना न सिर्फ मुमकिन है, बल्कि खुद की संतुष्टि के लिए जरूरी भी है।

5. हुमा, फिल्म 'तरला' में आपके किरदार तरला को एक ऐसे इंसान के रूप में दर्शाया गया है, जो अपने शाकाहारी व्यंजनों के साथ पाक कला की दुनिया में क्राँति लाती हैं। क्या आपने इस प्रसिद्ध शेफ और कुकबुक लेखिका से कुछ प्रेरणा ली?

बिल्कुल ! इस भूमिका की तैयारी के दौरान तरला दलाल निश्चित रूप से मेरे लिए एक प्रेरणा थीं। शाकाहारी भोजन पकाने के लिए उनका अभिनव दृष्टिकोण और इसे सभी के लिए सुलभ बनाने की उनकी क्षमता वाकई काबिले तारीफ है। मैं भोजन के प्रति उनके जुनून और दूसरों के साथ अपने ज्ञान को साझा करने की उनकी लगन की तारीफ करती हूँ। जहाँ इस फिल्म में तरला एक काल्पनिक चरित्र है, मैं उन्हें स्क्रीन पर जीवंत करने में तरला दलाल की भावना और प्रभाव को कुछ हद तक दिखाना चाहती थी। मुझे उम्मीद है कि एंड पिक्चर्स के दर्शक तरला के किरदार में तरला दलाल की विरासत देखेंगे और उनके कुकिंग के सफर से प्रेरित होंगे।

सोनी सब के 'वागले की दुनिया' में, अथर्व और सखी ने अपनी कॉलेज लाइफ में नई शुरुआत और चुनौतियों को स्वीकार किया

सोनी सब का 'वागले की दुनिया-नई पीढ़ी नए किस्से' आम आदमी के रोज़मर्रा के संघर्षों को दर्शाते हुए दर्शकों के दिलों को छू रहा है, जिसमें दिखाया गया है कि कैसे वागले परिवार हर अच्छे-बुरे वक्त में एक साथ रहता है। हालिया एपिसोड्स में, अथर्व (शीहान कपाही) ने अपनी 10वीं बोर्ड की परीक्षा के परिणाम में 84त्न अंक हासिल किए। हालांकि यह स्कोर उसके पसंदीदा कॉलेज में प्रवेश पाने के लिए पर्याप्त नहीं था, लेकिन अथर्व ने एक स्मार्ट तरीका अपनाया और स्पोर्ट्स कोटे से प्रवेश हासिल किया, और अपने परिवार को यह साबित किया कि सह-पाठ्यचर्या गतिविधियां औपचारिक शिक्षा जितनी ही मूल्यवान हैं। आगामी एपिसोड्स में, अथर्व कॉलेज और अपने परिवार के सुरक्षा कवच से बाहर जीवन के नए अध्याय की शुरुआत करता है। इस बीच, सखी (चिन्मयी साल्वी) भी एक मीडिया स्कूल में दाखिला लेती है, और वह वहां की विविधता से हैरान हो जाती है क्योंकि उसकी मुलाकात छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों की महिलाओं से होती है, जो हॉस्टल में रहती हैं, जिनके

दृष्टिकोण और महत्वाकांक्षाएं अलग-अलग हैं। जबकि दोनों वागले बच्चे अपने जीवन में नए चरण की शुरुआत करते हैं, वे नई चुनौतियों का सामना करेंगे और नए नज़रिए हासिल करेंगे, जिससे दर्शकों को देखने लायक समृद्ध और मनोरंजक अनुभव मिलेगा। राजेश वागले की भूमिका निभाने वाले सुमीत राघवन ने कहा, 'अथर्व और सखी दोनों ही अपने कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकलकर अपने जीवन के बिल्कुल नए चरणों में प्रवेश कर रहे हैं। जबकि वे चुनौतियों का सामना करेंगे और नए अवसर खोजेंगे, वहीं माता-पिता के रूप में वंदना और राजेश भी महत्वपूर्ण बदलावों का अनुभव करेंगे और पेरेंटिंग के नए पहलुओं को भी सीखेंगे। यह वागले परिवार के सभी लोगों के लिए विकास और स्वीकृति का सफर होगा, और प्रमुख सबक यही होगा कि बदलाव ही ऐसी चीज है जो कभी नहीं बदलती।'

अथर्व वागले की भूमिका निभाने वाले, शीहान कपाही ने कहा, 'अथर्व के लिए, अपने घर के सुरक्षा कवच से बाहर निकलकर कॉलेज की व्यापक दुनिया में जाना एक बड़ा कदम है। मेरा मानना है कि कई युवा दर्शक उसके अनुभवों, चुनौतियों, और जीतों से कनेक्ट कर पाएंगे। वह नए अवसरों को अपनाते हुए, जीवन की कुछ मान्यताओं और चरणों से भी आगे निकलेगा। मैं उत्साहित हूं क्योंकि आगामी कहानी उसके जीवन के बिल्कुल नए अध्याय की शुरुआत करेगी।' 'वागले की दुनिया- नई पीढ़ी नए किस्से' देखें, हर सोमवार से शनिवार रात 9 बजे, केवल सोनी सब पर

अनुप्रिया पटेल की मिर्जापुर से तीसरी बार जीत और केंद्रीय मंत्री बनने पर मध्य प्रदेश में भी हर्ष का माहौल

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

लखनऊ/भोपाल। अनुप्रिया पटेल ने मिर्जापुर से लगातार तीसरी बार जीत दर्ज कर अपने राजनीतिक कैरियर में एक नया अध्याय जोड़ा है। इसके साथ ही उन्हें मोदी कैबिनेट में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री, तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री का महत्वपूर्ण पदभार भी सौंपा गया है। इस अवसर पर मध्य प्रदेश की ओर से अनुप्रिया पटेल को ढेरों बधाई एवं शुभकामनाएं दी जा रही हैं। कार्यकर्ताओं ने अनुप्रिया पटेल की इस शानदार जीत पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे उनकी मेहनत, समर्पण और नेतृत्व के गुणों का परिणाम बताया है।

राजनीतिक रणनीतिकार अतुल मलिकराम ने भी इस अवसर पर अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, अनुप्रिया पटेल की जीत और केंद्रीय मंत्री बनने पर हार्दिक बधाई। उनकी यह जीत भारतीय राजनीति और मिर्जापुर के विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान का प्रतीक है और हम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। हाल में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव 2024 में अपना दल (एस)

की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल की यह जीत न केवल उनके राजनीतिक कैरियर के लिए मील का पत्थर है, बल्कि उनके समर्थकों और कार्यकर्ताओं के लिए भी गर्व का विषय है। मिर्जापुर की जनता ने फिर से उन पर भरोसा जताया है और उन्हें अपने प्रतिनिधि के रूप में चुना है।

कोर्ट मोहर्रिर–पुलिस व न्यायालय के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी : धर्मवीर सिंह

- बैठक लेकर एसपी ने समन व वारंट की तामीली में आने वाली समस्याओं को सुना

ग्वालियर। कोर्ट मोहर्रिर पुलिस व न्यायालय के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्हें सेतु के रूप में कार्य करना चाहिये। कोर्ट मोहर्रिर प्रकरण में जप्त माल को समयसीमा में न्यायालय में जमा करें और समंस वारंट को नीयत तिथि से पूर्व न्यायालय में तामील या अदम तामील करायें। यह बात पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित कोर्ट मोहर्रिरों के कार्यों की समीक्षा बैठक में कहीं।

बैठक में एसपी श्री सिंह ने कहा कि कोर्ट मोहर्रिर के कार्य की समीक्षा हेतु नियमित बैठक ली जानी चाहिए, जिससे कोर्ट मोहर्रिर की कार्यप्रणाली में सुधार आयेगा और जिसके सकारात्मक परिणाम भी प्राप्त होंगे, क्योंकि कोर्ट मोहर्रिर-पुलिस व न्यायालय के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी है और कोर्ट मोहर्रिर

का मुख्य कार्य न्यायालय तथा पुलिस थानों के मध्य सेतु के रूप में कार्य करना है। बैठक में पुलिस अधीक्षक ने कोर्ट मोहर्रिर से कहा कि न्यायालय से जारी होने वाले समंस-वारंटों को संबंधित थानों को समयसीमा में भिजवाया जाना सुनिश्चित करें और जारी किये गये समंस-वारंट को एक रजिस्टर में थानावार इंद्राज कर उन्हें थानों को भेजे।

एसपी ने कोर्ट मोहर्रिर को निर्देश दिये कि समंस-वारंट नियत तिथि से पूर्व न्यायालय में तामील या अदम तामील जमा कराये। उन्होंने कहा कि प्रकरण में जप्त माल को समय सीमा में न्यायालय में जमा कराया जाये और यदि कोई समस्या आती है तो संबंधी थाना प्रभारी या राजपत्रित अधिकारी को अवगत कराये। इसके अलावा लंबित खात्मा खारिजी के प्रकरणों का भी शीघ्र निराकरण कराने के प्रयास किये जाए। बैठक में एसपी ने कोर्ट मोहर्रिरों से उनके कार्य में आ रही समस्याओं को भी सुना और जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होने कोर्ट मोहर्रिरों को काम में गुणवत्ता एवं गतिशीलता लाने के निर्देश भी दिए।

तीन घंटे तक अवैध शराब तस्कर ने पुलिस को किया चकरधिन्नी

- पुलिस जवानों को धक्का देकर भागा आरोपी घर में सोता मिला

ग्वालियर। मेडिकल कराने के लिए जब पुलिसकर्मी एक आरोपी को अस्पताल लेकर पहुंचे तो आरोपी पुलिस जवानों को धक्का देकर भाग निकला। आरोपी के भागने का पता चलते ही पुलिसकर्मी और पुलिस अधिकारी आरोपी की तलाश में जुट गये। घटना मोहना थाना क्षेत्र स्थित स्वास्थ्य केन्द्र की है। पुलिस ने आरोपी की तलाश में बस स्टैण्ड से लेकर हाइवे तक घेराबंदी की। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद जब आरोपी हाथ नहीं आया तो पुलिस उसे चेक करने के लिए घर में पहुंची तो पता चला कि जिस आरोपी को पुलिस तीन घंटे से गली-मौहल्ले और हाइवे तक तलाश रही है, वह तो अपने घर में आराम से सो रहा है। इसका पता चलते ही पुलिस ने उसे हिरासत में लिया और पूछताछ शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी मोहना रशीद खान ने बताया कि पुलिस ने बीते रोज अवैध शराब के साथ महेन्द्र धानुक को पकड़ा था। पूछताछ के बाद उसे न्यायालय में पेश करने से पहले पुलिस जवान मेडिकल कराने के लिए मोहना स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचे थे और मेडिकल कराने के बाद उसे वापस ले जा रहे थे कि तभी महेन्द्र पुलिस जवानों को धक्का देकर भाग निकला। धक्का लगने से जवान गिर गया और जब तक संभलकर खड़ा होता, महेन्द्र वहां से रफू-चक्कर हो गया। आरोपी के भागने के बाद जवान ने पूरा अस्पताल परिसर छान लिया, लेकिन वह नहीं मिला तो थाने पर सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस अफसर और जवान उसकी तलाश में मौके पर आ पहुंचे। फरार हुआ बदमाश भाग ना सके, इसे देखते हुए बस स्टैण्ड से लेकर हाइवे तक पुलिस जवानों का पहरा लगा दिया और सवारी वाहनों की सर्चिंग शुरू कराई।

आरोपी की तलाश में पुलिसकर्मी तीन घंटे लगातार दौड़ते रहे और वह पसीना-पसीना हो गए, लेकिन वह हाथ नहीं आया। थकहार कर पुलिस वापस जाने की तैयारी में थी कि तभी याद आया कि पूरा इलाका तो छान लिया, लेकिन आरोपी के घर तो देखा ही नहीं, कुछ पुलिसकर्मियों ने घर पर ना मिलने की बात बताई, लेकिन अफसरों के निर्देश पर वह उसके घर पहुंचे तो वह अपने कमरे में कूलर के सामने आराम से सोता मिला। उसे तुरंत हिरासत में लिया और थाने लाकर पूछताछ की तो उसने बताया कि वह अस्पताल से भाग कर सीधा अपने घर पहुंचा और सो गया।

पैरोल जंप कर बंदी फरार

ग्वालियर। हत्या और दुष्कर्म के मामले में जेल में सजा काट रहा बंदी पैरोल जंप कर फरार हो गया। घटना का पता चलते ही जेल प्रबंधन ने मामले की शिकायत पुलिस से की। जिला भिण्ड रौन निवासी पटे उर्फलला उर्फ रविन्द्र पुत्र कुंदन सिंह ने वर्ष 2019 में दुष्कर्म और हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। इस मामले में उसे वर्ष 2022 में सजा हुई थी और वह जेल में सजा काट रहा था। विगत सात जून को उसे पैरोल मिली थी और उसे 22 जून को वापस जेल में आमद देनी थी, लेकिन वह वापस नहीं आया। उसके वापस नहीं आने पर जेल प्रबंधन ने उसकी जानकारी की, लेकिन उसका पता नहीं चला तो बहोड़ापुर थाना पुलिस से शिकायत की।

हाईकोर्ट जज की फर्जी आईडी बनाकर ठगों ने मांगे रूपये, मामला दर्ज

ग्वालियर। शातिर ठग लोगों को अपने जाल में फंसाने के लिए कई पैतरे आजमा रहे हैं, इसके लिए वह नामचीन अफसरों, नेताओं तथा सेलीब्रिटी के फोटो लगाकर रुपयों की मांग कर रहे थे। अब उनका दुस्साहस बढ़ता जा रहा है। दो दिन पहले ठगों ने हाईकोर्ट जज की फर्जी आईडी बनाकर उनके परिचितों और रिश्तेदारों को मैसेज कर रूपयों की मांग की। वह अपने मंसूबे में सफल होते, उससे पहले ही हाईकोर्ट जज को उनकी करतूत पता चली तो मामले की शिकायत क्राइम ब्रांच की साइबर सेल में की। हाईकोर्ट जज के साथ ही एक सेवानिवृत्त आईएएस की भी फर्जी फेसबुक आईडी ठगों ने बनाई है। साइबर सेल ने उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर ठग की तलाश शुरू कर दी है।

हाईकोर्ट में पदस्थ एडीपीओ दीपक मिश्रा ने क्राइम ब्रांच में शिकायत की है कि हाईकोर्ट जज संजीव एस कालगांवकर ग्वालियर हाईकोर्ट में पदस्थ हैं। 23 जून को अज्ञात ठगों ने उनके नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर उनके परिचितों और रिश्तेदारों को मैसेज कर रुपयों की मांग की। इसका पता उस समय चला जब उनके परिचितों के कॉल आए और उनसे रुपयों की जरूरत के बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि उनके द्वारा किसी से भी रुपयों की मांग नहीं की गई है। ठगी का मामला समझ में आते ही उन्होंने इसकी शिकायत क्राइम ब्रांच की साइबर सेल को की। मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर सेल ने मामला दर्ज कर आरोपी ठग की तलाश शुरू कर दी है। इससे पहले पूर्व अतिरिक्त महाअधिवक्ता एमपीएस रघुवंशी की भी इसी तरह फर्जी आईडी बनाकर लोगों से रुपयों की मांग की गई थी, जिसकी शिकायत साइबर सेल से हुई थी, लेकिन इस मामले में अभी तक आरोपी नहीं पकड़े गए हैं। इसके साथ ही ठगों ने पूर्व आईएएस की भी फर्जी आईडी बनाई थी।

महिला ने फांसी लगाकर दी जान, मायके पक्ष ने किया हंगामा

ग्वालियर। अज्ञात कारणों के चलते एक विवाहिता ने फांसी लगाकर जान दे दी। घटना ग्वालियर थाना क्षेत्र के गोसपुरा नंबर दो स्थित शिवशक्ति मंदिर के पास रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब 11 बजे की है। विवाहिता की मौत का पता चलते ही मायका पक्ष मौके पर पहुंचा और हंगामा कर दिया। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हंगामा कर रहे मृतिका के मायके पक्ष के लोगों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराकर मृतिका का शव पीएम हाउस पहुंचाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ग्वालियर थाना क्षेत्र के गोसपुरा नंबर दो स्थित शिवशक्ति मंदिर के पास रहने वाली 30 वर्षीय सुंगधा कुशवाह पत्नी रामसेवक कुशवाह ने अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर जान दे दी। घटना का पता चलते ही मृतिका के मायके पक्ष के लोग भी मौके पर पहुंचे और हंगामा करते हुये मृतिका के पति और उसके परिजनों के साथ हाथापाई कर हंगामा कर दिया। हंगामे का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मर्ग कायम कर समझाइश दी, जिसके बाद आक्रोशित लोग शांत हुए। बताया गया है कि दस साल पहले सुगंधा का विवाह हुआ था और उसके कोई बच्चा नहीं हुआ था। जिसके बाद से ही वह डिप्रेशन में चल रही थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एसएएफ जवानों से भरी बस पलटी, एक दर्जन जवान घायल

ग्वालियर। खेल-कूद प्रतियोगिता में भाग लेने आ रहे एसएएफ जवानों से भरी बस पलट गई, जिससे बस में सवार एक दर्जन से ज्यादा जवान घायल हो गए। घटना मोहना और सुभाषपुरा बॉर्डर के पास रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब 11 बजे की है। घटना का पता चलते ही मोहना थाना पुलिस के साथ ही सुभाषपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल जवानों को उपचार के लिए मोहना स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया, जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें ग्वालियर रेफर किया गया है।

मोहना थाना प्रभारी राशिद खान ने बताया कि जावरा से एसएएफ जवानों से भरी एक बस ग्वालियर में आयोजित हो रही खेलकूद प्रतियोगिताओं में शामिल होने के लिए आ रही थी। रात करीब 11 बजे के करीब सुभाषपुरा थाना क्षेत्र में अचानक बस अनियंत्रित होकर पलट गई और उसमें सवार जवान घायल हो गए। घटना का पता चलते ही मोहना थाना पुलिस के साथ ही सुभाषपुरा थाना प्रभारी राजीव दुबे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य में जुट गए। पुलिस जवानों को घायल देखकर वहां से गुजर रहे राहगीर भी बचाव में पुलिस के साथ जुट गए और उनकी मदद से पुलिस ने कुछ ही मिनट में सभी घायलों को बाहर निकाल लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने सबसे पहले बस में फंसे जवानों को बाहर निकाला और एम्बुलेंस की मदद से घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए मोहना स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया, जहां पर उनकी हालत गंभीर देखकर उन्हें उपचार के लिए जेएएच रेफर किया गया। जहां पर अब उनकी हालत पहले से बेहतर बताई गई है।

कांग्रेस विधायकों की चेतावनी के बाद प्रशासन आया हरकत में

- खनिज विभाग की रेत के अवैध भण्डारण पर की कार्रवाई, 5 ट्रैक्टर व 2 लोडर जब्त

ग्वालियर । जिले में खनिज पदार्थों के अवैध उत्खनन, परिवहन व भण्डारण के खिलाफ पुलिस और प्रशासन ने विशेष मुहिम जारी है। प्रशासन द्वारा चलाई जा रही मुहिम के तहत सोमवार को खनिज विभाग की टीम ने गोला का मंदिर, गदाईपुरा, जलालपुर, आनंदनगर व बड़ागाँव क्षेत्र में औचक कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान प्रशासन के अमले ने 5 ट्रैक्टर व 2 लोडर जब्त किये हैं। टीम द्वारा अवैध भण्डारण करने वालों के खिलाफ खनिज अधिनियम के तहत पाँच प्रकरण दर्ज किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों कांग्रेस विधायक अवैध उत्खनन रोकने की मांग को लेकर कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान से मिले थे और अवैध उत्खनन रोकने की मांग की थी। इसके बाद कांग्रेस विधायकों ने रविवार को एक पत्रकारवार्ता कर अवैध उत्खनन बंद नहीं होने पर सड़क से लेकर विधानसभा तक आंदोलन की चेतावनी दी थी। जिसके बाद प्रशासन का अमला हरकत में आया और ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरू की।

सामूहिक परिवार में रहकर रिश्तों को बचाया जा सकता हैं : राजेश ऐरन

- 114वें परिचय सम्मेलन में 240 परिवारों ने रिश्ते तलाशें

ग्वालियर। अग्रवाल परिचय सम्मेलन के 114वें आयोजन का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष राजेश ऐरन, डॉक्टर केके अग्रवाल, रामरतन गर्ग, सीताराम अग्रवाल, अनिल गर्ग, श्रीमती नीलम शाह, श्रीमती पूनम अग्रवाल, श्रीमती लक्ष्मी अग्रवाल उपस्थित थे।

इस अवसर पर राजेश ऐरन ने कहा कि आज के समय में सबसे बड़ी समस्या अग्रबंधुओं के सामने शादी के बाद रिश्ते टूटने की है, इसको बचाने के लिए हमें सामूहिक परिवार में रहना होगा। वर्तमान में ज्यादातर घरों में बच्चे सर्विस के रास्ते बाहर

शहरों में जाकर परिवारों से दूर होते जा रहे हैं। यही कारण मुख्य बनता है कि उनको समझाने वाला कोई उनके करीब नहीं होता। छोटी छोटी बात पर रिश्ते टूट जाते हैं। परिचय सम्मेलन में 240 परिवारों ने अपने विवाह योग बच्चों के लिए रिश्तें तलाश किये। कई माता-पिता ने मंच पर आकर अपने बच्चों का परिचय स्वयं दिया। अतिथियों का स्वागत श्रीमती मीना अग्रवाल, अंजू अग्रवाल, शैली अग्रवाल, हर्षिनी जैन ने किया। सम्मेलन में नितिन अग्रवाल, ओमान विदेश में सर्विस कर रहे ऋषभ गर्ग के परिवार वालों, यश अग्रवाल, शुभम बंसल, निकिता सिंघल ने परिचय दिया। इस मौके पर नरेश अग्रवाल, ओमप्रकाश अग्रवाल, विजय गोयल, राजकुमार अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल, श्रीमती शशि प्रभा अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, योगिता कोठारी, संध्या जैन उपस्थित थे।

महापौर ने किया सी.सी. सड़क निर्माण के लिये भूमिपूजन

ग्वालियर। महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार ने सोमवार को वार्ड क्रमांक 1 के तिजुयापुरा में करीब 15 लाख रूपये से निर्मित होने वाली सी.सी. रोड निर्माण के लिये भूमिपूजन किया। भूमिपूजन के बाद महापौर डॉ. सिकरवार ने क्षेत्र का भ्रमण कर जनता की समस्याओं को सुना और तुरंत निराकरण के आदेश संबंधित अधिकारियों को दिये। इस मौके पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुनील शर्मा, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती साईदा आसिफ अली एवं क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।

रोपे गए पौधों को पेड़ बनाने की पुख्ता तैयारी के साथ करें पौधारोपण : कलेक्टर

- अंतरविभागीय समन्वय बैठक में सीएम हैल्पलाइन सहित सरकार के प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों की हुई समीक्षा

ग्वालियर। बड़े पैमाने पर पौधरोपण कर जिले को हरीतिमा की चादर ओढ़ाने के लिये व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। जिला प्रशासन द्वारा पौधरोपण से ज्यादा इस बात की तैयारी विशेष रूप से की जा रही है कि रोपे गए पौधे पेड़ बन सकें। मानसून के आगमन से पहले कार्ययोजना के अनुसार विभिन्न विभागों द्वारा पौधे रोपने के लिये गड्ढे खोदने का काम व्यापक स्तर पर किया जा रहा है। यह बात कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने अंतरविभागीय समन्वय बैठक में पौधारोपण की तैयारियों की समीक्षा करते हुये कही। साथ ही कलेक्टर ने पौधों को रोपने के लिये विभागवार निर्धारित लक्ष्य के अनुसार अब तक खोदे गए गड्ढों का पॉवर प्वॉइंट प्रजेण्टेशन भी देखा।

सीएम हैल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में जिले की रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार के लिए कलेक्टर श्रीमती चौहान ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को बैठक में शाबाशी दी। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने निर्देश दिए कि रोपे गए एक-एक पौधे की निगरानी के लिए सभी अधिकारी स्वयं वायुदूत, अंकुर एप डाउनलोड करें और अपने अधीनस्थ

अधिकारियों से भी डाउनलोड कराएँ। रोपे गए पौधे के साथ समय-समय पर सेल्फी लेकर इस एप पर अपलोड की जाए। उन्होंने वन व उद्यानिकी विभाग की नर्सरियों से विभागीय अधिकारियों को पौधे लेने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि नर्सरियों पर उपलब्ध पौधों की प्रजातियों एवं दर का प्रचार-प्रसार करने के लिये भी विभागीय अधिकारियों से कहा। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि बच्चों की सुविधाओं का ध्यान रखकर हर विभाग के जिला अधिकारी कम से कम दो स्कूलों का निरीक्षण करें। उन्होंने कहा निरीक्षण के दौरान खासतौर पर बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर बिजली के बोर्ड, स्विच व वायरिंग की बारीकी से जाँच करें। यदि कहीं कमी हो तो उसे ठीक कराएँ। इसी तरह बरसात को ध्यान में रखकर स्कूल की छत, शौचालय, पेयजल इत्यादि सुविधा की वस्तुस्थिति भी देखें। निरीक्षण का प्रतिवेदन प्राप्त करने के लिये कलेक्टर श्रीमती चौहान ने सभी अधिकारियों को एक प्रपत्र उपलब्ध कराया है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने दिव्यांगजनों के विवाह कराने के उद्देश से परिचय सम्मेलन आयोजित करने के निर्देश भी बैठक में दिए।

कलेक्टर ने कहा कि दिव्यांगजनों के लिये अलग से वैवाहिक सम्मेलन आयोजित कर उन्हें मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के सभी लाभ दिलाए जाएँ। दिव्यांगजनों को सहायता उपकरण उपलब्ध कराने के लिये जिले के सभी विकासखंडों में अलग-अलग और ग्वालियर शहर में इकजाई शिविर आयोजित करने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिए। बैठक में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने ठाठीपुर पुनर्घनत्वीकरण का काम आगे बढ़ाने के लिए शेष सरकारी आवास खाली कराने के निर्देश एसडीएम झाँसी रोड़ को दिए। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने निर्देश दिए कि आवासों में रह रहे अधिकारी-कर्मचारियों को तिथि निर्धारित कर मकान खाली करने के लिये विधिवत सूचित करें। इसके बाद आवास खाली कराने की कार्रवाई की जाए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार, अपर कलेक्टर टी एन सिंह, अपर आयुक्त नगर निगम मुनीष सिकरवार, जिले के सभी एसडीएम एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

वीसी से ग्राम पंचायत स्तर तक होगी जनसुनवाई: कलेक्टर

तकनीक का इस्तेमाल कर जिले के दूर-दराज के गाँवों तक सुशासन को और मजबूत करने के लिये ग्राम पंचायत स्तर तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जन-सुनवाई की व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप जिले में प्रथम चरण में ग्राम पंचायतों के क्लस्टर (समूह) स्तर पर यह व्यवस्था लागू होगी। यह निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिले के सभी एसडीएम एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को हर मंगलवार को सेक्टर स्थल पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग व्यवस्था से ग्राम पंचायत स्तर की समस्याओं के निराकरण के लिए जनसुनवाई कराने के दिए हैं। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने निर्देश दिए कि मंगलवार को प्रातः 11 बजे से दोपहर एक बजे तक ग्राम पंचायतों के क्लस्टर मुख्यालय पर क्षेत्र के सभी पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, पटवारी, आरआई, एएनएम व आंगनबाड़ी पर्यवेक्षक सहित अन्य संबंधित विभागों के मैदानी कर्मचारी मौजूद रहें। उन्होंने क्लस्टर स्तर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से होने वाली जन-सुनवाई की निगरानी अपने मुख्यालय से करने के निर्देश सभी एसडीएम को दिए।

विवाहिता ने किया सुसाइड

ग्वालियर। कंपू थाना क्षेत्र के अवाड़पुरा निवासी 27 वर्षीय फरजाना पत्नी रूस्तम खान ने बीते रोज अपने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। घटना का पता उस समय चला जब परिजन किसी काम से उसके कमरे में पहुंचे तो वह फांसी के फंदे पर लटकी मिली। मामला समझ में आते ही पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मर्ग कायम कर लिया है।

जलस्त्रोतों के पुनर्जीवन में लापरवाही बरतने पर सहायक यंत्री एवं क्षेत्राधिकारियों को मिला नोटिस

ग्वालियर। नगर निगम में जल स्त्रोतों तथा नदी, तालाबों, कुओं, बावड़ी तथा अन्य स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुर्नजीवन हेतु 5 से 16 जून तक चलाए गए विशेष अभियान में लापरवाही बरतने पर निगम आयुक्त हर्ष सिंह ने सभी सहायक यंत्री, सभी क्षेत्राधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नगर निगम सीमांतर्गत आपको प्रत्येक वार्ड में जल स्त्रोतों, नदी, तालाबों, कुओं, बावड़ी तथा अन्य स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुर्नजीवन हेतु 5 से 16 जून तक विशेष अभियान चलाकर कार्य कराना था, लेकिन निगम के अधिकारियों ने निगमायुक्त के फरमान को दरकिनार कर दिया। सोमवार को समीक्षा बैठक के दौरान यह पाया गया है कि सभी सहायक यंत्री, सभी क्षेत्राधिकारी एवं जनकार्य द्वारा इस कार्य में कोई रूचि नही ली गई है। अभी तक आपके द्वारा कराये जाने वाले कार्यो की सूची तक तैयार नही की गई है, इससे स्पष्ट होता है कि आपके द्वारा संचालनालय एवं मेरे द्वारा दिये गये निर्देशो का पालन नही किया जा रहा है, जो अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है अतः अंदर 24 घण्टे कराये जाने वाले कार्यो की सूची एवं दिये गये निर्देशो का पालन सुनिश्चित कर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें, अन्यथा की दशा में आपके विरूद्ध कार्यवाही की जावेगी।

क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान में त्रैमासिक हिन्दी कार्यशाला आयोजित

ग्वालियर। ग्वालियर एवं चंबल क्षेत्र के निवासियों को उच्चकोटि की आयुर्वेदिक चिकित्सा उपलब्ध करा रहे क्षेत्रीय आयुर्वेदिक अनुसंधान संस्थान में सोमवार को त्रैमासिक हिंदी कार्यशाला आयोजित हुई। इस कार्यशाला में कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के उपयोग का अभ्यास विषय सहित हिन्दी की महत्ता पर केन्द्रत एक से बढ़कर एक व्याख्यान हुए। साथ ही सभी प्रतिभागियों ने लेखन में हिंदी का अधिकाधिक उपयोग करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यशाला की अध्यक्षता संस्थान के प्रभारी डॉ. बी एस सिसौदिया ने की। आकाशवाणी के प्रसारण अधिकारी सुमित गौतम के मुख्य आतिथ्य में यह आयोजन हुआ।

संस्थान के वरिष्ठ आयुर्वेद अनुसंधान अधिकारी डॉ. अनिल मंगल ने ÷मन का भाव हिन्दी÷ विषय पर तथ्यों के साथ हृदय को हिन्दी के प्रति जागृत करने वाला भावपूर्ण व्याख्यान दिया, जिसे प्रतिभागियों की खूब वाहवाही मिली। संस्थान की प्रभारी हिन्दी अधिकारी श्रीमती सपना अविनाश कोंडलकर ने गत तिमाही का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय से संबद्ध केन्द्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा ग्वालियर में क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान संचालित किया जा रहा है। सोमवार को आयोजित हुई त्रैमासिक हिन्दी कार्यशाला में डॉ. सविता शर्मा, डॉ. एम एम शर्मा, डॉ. एस बी सिंह, डॉ. अमित कुमार, डॉ. प्रमोदचंद द्विवेदी, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, डॉ. जीवन के., डॉ. अल्लाकोंड़ा लिंगेश सहित संस्थान के सभी अधिकारी-कर्मचारियों ने सहभागिता की।

कार्यालय कलेक्टर खनिज शाखा जिला ग्वालियर (म0प्र)

कमांक–/क्यू/3/मा.रा./खनिज/2024–25/102 । ग्वालियर,दिनांक–10/06/2024

सूचना–पत्र

(म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18–क)

यह सूचित किया गया है कि , आवेदिका रामकटोरी निवारी– कांरोर नयागांव जिला ग्वालियर म0प्र0 द्वारा म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18–क के तहत् उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु ऑनलाईन नवीन आवेदन पत्र दिनांक– 14/04/2024 को प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत आवेदन पत्र का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :–

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा हैक्टेयर में	भूमि का प्रकार	खनिज का नाम	रिमार्क
ग्वालियर	डबरा	कुम्हर्रा	34	2.500	निजी	मुरम, एम–सेण्ड	–

उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन पत्रों में आवेदित क्षेत्र के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो अथवा इस संबंध में कोई अन्य दावा प्रस्तुत करना चाहता हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने की तारिख से "30 दिवस" के भीतर कार्यालय कलेक्टर, खनिज शाखा, जिला ग्वालियर में आपत्ति का लेख/कारण दर्शाते हुए लिखित रूप से प्रमाण सहित प्रस्तुत करें।

नियत अवधि के उपरांत प्रस्तुत किसी भी आपत्ति/दावे पर विचार नही किया जाएगा।

प्रभारी खनि अधिकारी
खनिज शाखा
जिला ग्वालियर

G12344/24

संपादकीय

भूमिगत जलस्तर नीचे जाने से गंभीर हो रही पेयजल समस्या

प्राकृतिक जलाशय अनेक शहरों के लिए पेयजल उपलब्ध कराने का प्रमुख स्रोत हैं। मगर समुचित रखरखाव और उनके जलस्रोतों का संरक्षण न हो पाने की वजह से उनमें बरसात का पानी भी समुचित रूप में नहीं पहुंच पाता। शहरी नियोजन की चपेट में आकर बहुत सारे प्राकृतिक जलाशय पहले ही अपना अस्तित्व खो चुके हैं, अब बचेखुचे संरक्षित जलाशयों पर जलवायु परिवर्तन का प्रकोप पड़ना शुरू हो चुका है। केंद्रीय जल आयोग की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक देश के डेढ़ सौ प्रमुख जलाशयों का स्तर घट कर महज इक्कीस फीसद रह गया है। भीषण गर्मी का असर सबसे अधिक दक्षिण भारत के जलाशयों पर देखा गया है, जहां बयालीस जलाशय हैं और उनमें जल की मात्रा घट कर सोलह फीसद तक रह गई है। हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और पंजाब के दस जलाशयों में उनकी कुल क्षमता का अट्ठाईस फीसद जल रह गया है। यही हाल पूर्वोत्तर के तेईस जलाशयों का है, जिनमें उनकी कुल भंडारण क्षमता का करीब बीस फीसद पानी रह गया है। इसे लेकर जल आयोग की चिंता स्वाभाविक है। पहले ही बरसात कम होने की वजह से इन जलाशयों का पुनर्भरण संतोषजनक स्तर तक नहीं पहुंच पाया था, फिर पहाड़ों पर बर्फ कम गिरने के कारण पहाड़ी इलाकों के जलाशयों में पानी का स्तर लगातार घट रहा है।

प्राकृतिक जलाशय अनेक शहरों के लिए पेयजल उपलब्ध कराने का प्रमुख स्रोत हैं। मगर समुचित रखरखाव और उनके जलस्रोतों का संरक्षण न हो पाने की वजह से उनमें बरसात का पानी भी समुचित रूप में नहीं पहुंच पाता। जलाशयों में बरसात का पानी ऊंचे इलाकों से पहुंचता है, मगर जब वहां बस्तियां बस जाती हैं, तो उनका जलस्रोत बाधित होता है। बहुत सारे जलाशयों का जल स्तर इसलिए भी घट रहा है। दूसरी सबसे बड़ी वजह पिछले कुछ वर्षों से तापमान में लगातार वृद्धि और बरसात का असंतुलित होना भी है। गर्मी की अवधि लंबी होने से पेयजल और दूसरे उपयोग के लिए पानी की खपत बढ़ रही है। ऐसे में जलाशयों का स्तर घटते जाने से उन पर निर्भर शहरों और बस्तियों में जलसंकट बढ़ने की आशंका गहराने लगी है। लंबे समय से सलाह दी जाती रही है कि प्राकृतिक जलाशयों के रखरखाव और उनके जलस्रोतों को अबाध बनाए रखने की योजनाएं बनानी होंगी। बरसात का पानी उन तक पहुंचता रहे और उनमें गाद वगैरह की सफाई होती रहे, तभी उनके पुनर्भरण की संभावना बनेगी।

विदेश नीतिः जी-7 में विस्तार का वक्त... भारत को पूर्णकालिक सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किया जाए

“वह कॉलेज जाने वाली किशोरी की तरह लग रही हैं, जो अपने हीरो के साथ सेल्फी लेकर बहुत खुश और अभिभूत हैं और उत्साह में चिल्लाती हैं-मेलोडी (मेलोनी और मोदी) टीम की ओर से हेलो! प्रधानमंत्री मोदी के कट्टर आलोचक भी यह स्वीकार करेंगे कि हमारे सत्तर वर्षीय प्रधानमंत्री ने अलग- अलग तरह के वैश्विक नेताओं के साथ गर्मजोशी, मिलनसारिता और व्यक्तिगत रिश्ते बनाने में अनूठी महारत हासिल कर ली है। उन्हें केवल आउटरीच सेशन में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया गया था, लेकिन सामूहिक तस्वीर लेते वक्त उन्हें प्रमुखता से केंद्र में रखा गया। संक्षेप में कहें, तो उनके प्रति काफी सम्मान और शिष्टाचार दर्शाया गया। और हो भी क्यों नहीं? अमेरिका और फ्रांस के राष्ट्रपतियों तथा ब्रिटिश एवं कनाडा के प्रधानमंत्रियों (जनमत सर्वेक्षणों में जिनकी लोकप्रियता घट गई है और अनिश्चित राजनीतिक भविष्य का सामना कर रहे हैं) की तुलना में मोदी ने भारत में तीसरी बार प्रधानमंत्री बनकर इतिहास रच दिया है, हालांकि उनकी अपनी पार्टी लोकसभा चुनाव में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई।”

प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक नेताओं के साथ व्यक्तिगत रिश्ते बनाने में अनूठी महारत हासिल की है। भारत की जनसंख्या जी-7 देशों की कुल आबादी से दोगुनी है, तो भारत का जीडीपी जी-7 के चार सदस्यों से ज्यादा है। अब समय आ गया है कि भारत को जी-7 का पूर्ण सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किया जाए। सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी के साथ इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सेल्फी की भरमार है। वह कॉलेज जाने वाली किशोरी की तरह लग रही हैं, जो अपने हीरो के साथ सेल्फी लेकर बहुत खुश और अभिभूत हैं और उत्साह में चिल्लाती हैं- मेलोडी (मेलोनी और मोदी) टीम की ओर से हेलो! प्रधानमंत्री मोदी के कट्टर आलोचक भी यह स्वीकार करेंगे कि हमारे सत्तर वर्षीय प्रधानमंत्री ने अलग- अलग तरह के वैश्विक नेताओं के साथ गर्मजोशी, मिलनसारिता और व्यक्तिगत रिश्ते बनाने में अनूठी महारत हासिल कर ली है। उन्हें केवल आउटरीच सेशन में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया गया था, लेकिन सामूहिक तस्वीर लेते वक्त उन्हें प्रमुखता से केंद्र में रखा गया। संक्षेप में कहें, तो उनके प्रति काफी सम्मान और शिष्टाचार दर्शाया गया। और हो भी क्यों नहीं? अमेरिका और फ्रांस के राष्ट्रपतियों तथा ब्रिटिश एवं कनाडा के प्रधानमंत्रियों (जनमत सर्वेक्षणों में जिनकी लोकप्रियता घट गई है और अनिश्चित राजनीतिक भविष्य का सामना कर रहे हैं) की तुलना में मोदी ने भारत में तीसरी बार प्रधानमंत्री बनकर इतिहास रच दिया है, हालांकि उनकी अपनी पार्टी लोकसभा चुनाव में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई। इस अवसर का लाभ उठाते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कई ऐसे मुद्दे उठाए, जो न सिर्फ भारत के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण हैं। एआई और ऊर्जा, अफ्रीका एवं भूमध्यसागर पर जी-7 के आउटरीच सेशन में उन्होंने कई विषयों पर प्रकाश डाला, मुख्य रूप से मानव प्रगति में प्रौद्योगिकी के व्यापक उपयोग पर। मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं में प्रौद्योगिकी के उदय ने साइबर सुरक्षा के महत्व की भी पुष्टि की है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत अपनी विकास यात्रा के लिए किस तरह से एआई का लाभ उठा रहा है। यह जरूरी है कि एआई पारदर्शी, सुरक्षित, सुलभ और जिम्मेदार बना रहे। जहां तक ऊर्जा का सवाल है, भारत का दृष्टिकोण उपलब्धता, पहुंच, सामर्थ्य और स्वीकार्यता पर आधारित है। हम निर्धारित समय से पहले अपनी कॉप प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं। भारत लाइफ (एलआईएफई) मिशन के सिद्धांतों के आधार पर हरित युग की शुरुआत करने के लिए काम कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने धरती को और अधिक टिकाऊ बनाने के लिए %एक पेड़ मां के नाम% अभियान पर भी प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री मोदी ने दावा किया कि समय से पहले कॉप प्रतिबद्धताओं को पूरा करने वाला भारत पहला देश होगा और यह 2070 तक नेट जीरो का लक्ष्य पाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। सितंबर, 2023 में जी-20 की अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी यूनियन को उसका पूर्ण सदस्य बनवाने के भारत के प्रयासों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने ग्लोबल साउथ की भलाई के लिए बोलने और विश्व मंच पर अपनी प्राथमिकताओं और चिंताओं को व्यक्त करने की प्रतिबद्धता दोहराई। भारत-इटली के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए उन्होंने भारत-प्रशांत और भूमध्यसागरीय क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने की आशा व्यक्त की। पिछले दो दशक से ज्यादा समय से हम सुन रहे हैं कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद जन्मी मौजूदा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) आज दुनिया की वास्तविकताओं को नहीं दर्शाती और उसकी समस्याओं का समाधान करने में अक्षम है। यही बात जी-7 के साथ लागू होती है, जिसकी स्थापना 1975 में दुनिया के सबसे बड़े औद्योगिक लोकतंत्रों (अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान) के एक अनौपचारिक समूह के रूप में तेल संकट, वित्तीय संकट और मंदी से निपटने के लिए की गई थी। इस समूह में कनाडा 1975 में शामिल हुआ। इसका न तो मुख्यालय है, न सचिवालय और न ही चार्टर। इसकी अध्यक्षता बारी-बारी से हर साल सदस्य देशों द्वारा की जाती है। मौजूदा अध्यक्ष एजेंडा निर्धारित करता है और गैर-सदस्य देशों को उचित समझकर आमंत्रित करता है। पिछले कुछ वर्षों में मुद्रास्फीति और अन्य आर्थिक चिंताओं के अलावा जलवायु परिवर्तन, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्रवासन जैसे कई मुद्दे जी-7 की चर्चाओं में प्रमुखता से शामिल रहे हैं। जी-7 देशों की कुल जीडीपी, जो विश्व की जनसंख्या का मात्र 10 फीसदी है, 463 खरब डॉलर है। आईएमएफ के अनुसार, 2023 में यह वैश्विक जीडीपी का 26.4 फीसदी रह गया है, जबकि 2000 में यह 40 फीसदी था। हालांकि वर्तमान में ब्रिक्स की जीडीपी लगभग 260 खरब डॉलर होने का अनुमान है। गोल्डमैन सैक को लगता है कि 2050 तक ब्रिक्स जी-7 की जीडीपी से आगे निकल सकता है! यदि सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, ईरान, मिस्र, इथियोपिया और अर्जेंटीना जैसे देशों को इसमें शामिल कर लिया जाए, जिन्होंने ब्रिक्स में शामिल होने में रुचि दिखाई है, तो यह काम पहले भी हो सकता है। अकेले भारत की जनसंख्या पूरे जी-7 देशों की कुल आबादी से दोगुनी है और भारत का वर्तमान जीडीपी (39.40 खरब डॉलर) जी-7 के चार सदस्यों-इटली, फ्रांस, ब्रिटेन और कनाडा के जीडीपी से ज्यादा है। ऐसे में, भारत को शामिल किए बिना जी-7 वैश्विक मुद्दों पर चर्चा कैसे कर सकता है और व्यावहारिक समाधान कैसे निकाल सकता है? अब समय आ गया है कि भारत को जी-7 का पूर्ण सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किया जाए, न कि आउटरीच सत्रों के लिए। अभी अमेरिका, जिसका जीडीपी जी-7 के कुल जीडीपी का 50 फीसदी से अधिक है, समूह के अन्य सदस्यों के समर्थन के कारण गैर-सदस्य देश के खिलाफ प्रतिबंधों सहित कोई भी निर्णय पारित करवा सकता है। भारत के शामिल होने से उस मनमानी को कुछ हद तक चुनौती मिलेगी। अगर इसमें दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन को शामिल नहीं कर सकते, तो उन्हें ब्राजील और इंडोनेशिया जैसे लोकतंत्रों को शामिल करना चाहिए और इसका नाम जी-10 रखना चाहिए। भारत और ब्राजील आईएमएफ में उच्च मतदान अधिकारों के लिए दबाव डाल रहे हैं, लेकिन ब्रिटेन और जापान की मदद से अमेरिका आसानी से ऐसी मांगों को टाल सकता है। अब समय आ गया है कि जी-7 के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों में भी बदलाव हो।

केंद्र और परिधि, सीमित दृष्टि में नहीं है जीवन का आनंद, खुद को बड़ा बनाकर सोच के बंधन से मुक्त होना जरूरी

एक सही आधार से जीवन को किसी सार्थकता से जीने के लिए पहले स्वयं को ही जानना आवश्यक होता है। जब अपनी संभावनाएं पता नहीं होतीं, तो हम दूसरों के जितना पारिभाषित किए गए पैमाने पर सीमित उद्देश्य को पाने की कोशिश करते हैं और महत्त्वाकांक्षाओं के लिए भी दुनिया के अनुसार ही निर्भर हो जाते। जीवन के केंद्र को जब हम किसी सीमित दृष्टि पर निर्धारित कर देते हैं तो उसके परिपूर्ण अर्थ और स्वरूप तक नहीं पहुंच पाते और उसकी परिधि को सीमित कर देते हैं। प्रकृति के प्रवाह की तरह बहती हुई धारा में जैसे बदलाव और परिवर्तन होता रहता है और उसमें किसी एक जगह ठहराव नहीं, निरंतर आगे बहने का स्वभाव निहित होता है। इसी तरह, जब हम खुद भीतर से बंधन में होते हैं, अपनी स्वतंत्र चेतना से नहीं सोचते तो अपनी वस्तुस्थिति से भी सही संपर्क नहीं बना पाते। नया विषय अगर अज्ञात नहीं है तो वह नवीन कैसे हो सकता है। अपने भविष्य को दूसरों के अनुसार पहले ही हम निर्धारित कर देते हैं तो वह सिर्फ अतीत हो सकता है, नए का निर्माण नहीं कहला सकता। जीवन में आगे का रास्ता अपनी पूर्वनिर्धारित धारणाओं के खिलाफ जाकर ही मिलता है। विषय को जितना हम तय करना चाहते हैं, वर्तमान स्थिति के उतना ही गुलाम बनते जाते हैं और अपने ही बनाए हुए दायरे से बाहर नहीं निकल पाते। प्रतिदिन और प्रतिपल कुछ बदलना अपने को ठीक से जानने का अवसर प्रदान कर सकता है, क्योंकि अपने अस्तित्व को जानने का अधिकार सिर्फ मनुष्य जाति को ही मिला है। व्यक्ति के पास अपनी चेतना है, इसलिए उसे चयन का, निर्णय का विकल्प भी मिलता है, जिसे अक्सर हम पहचान नहीं पाते। आत्मावलोकन ही आत्मपरिवर्तन का कारण बनता है और यही विवेक वास्तव में व्यक्ति के जीवन के केंद्र का निर्धारण कर सकता है। आत्मनिरीक्षण का जोखिम उठाना आसान नहीं है, लेकिन यही दृष्टि पुनर्निर्माण की ओर बढ़ा पहला कदम है।

इसमें चुनौतियों और कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन अपनी सीमाओं और जड़ता से मुक्ति भी आखिर एक सही विकल्प की तरफ ले जा सकती है। हम जीवन के अर्थ को गहराई से समझ कर अपनी पहचान के प्रति अधिक सजग और संवेदनशील होकर ईमानदारी से अपने जीवन का अवलोकन और मूल्यांकन कर सकते हैं। जैसे अंधेरे की फोटो खींचने का कोई लाभ और महत्त्व नहीं होता, क्योंकि उसमें किसी वस्तु और विषय का स्वरूप स्पष्ट नहीं होता, इसी तरह समाज और दुनिया में जो घटित हो रहा है, उसका अनुकरण करते चुपचाप जीना भी उतना ही निरर्थक है, जिसमें अपने जीवन को देखने की कोई स्पष्ट दृष्टि प्राप्त नहीं होती। अपने को गहराई से जानना ही पूर्णता से जीना और अपने प्रति उत्तरदायी होना है, जिसमें हमें अपनी निजता का सौंदर्य दिखाई देता है।

अपने जीवन के केंद्र को जानने के लिए हमें अपनी अंतिम सीमा तक जाना पड़ता है और सभी आयामों को अन्वेषित करना पड़ता है। इस प्रक्रिया में किसी मंजिल तक पहुंचने से पहले जो भी बनी-बनाई सुनियोजित अवधारणाएं और भ्रम हैं, उनमें टूट-फूट का काम भी व्यक्ति का आत्मबोध ही करता है। एक सही आधार से जीवन को किसी सार्थकता से जीने के लिए पहले स्वयं को ही जानना आवश्यक होता है और जिसकी हम उपेक्षा करते रहते हैं।

जब अपनी संभावनाएं पता नहीं होतीं, तो हम दूसरों के जितना पारिभाषित किए गए पैमाने पर एक सीमित उद्देश्य को ही पाने की कोशिश करते हैं और अपनी महत्त्वाकांक्षाओं के लिए भी दुनिया के अनुसार ही निर्भर हो जाते हैं। अपने प्रति मौलिक जिम्मेदारी की अनुभूति ही व्यक्ति की क्षमता और संभावनाओं का विस्तार करती है। जीवन की अपनी परिधि के अंतर्गत उतना ही हम देख पाते हैं, जिसकी अनुमति आसपास का परिवेश देता है, लेकिन आगे जाने के लिए संकीर्ण सीमा से पार जाना पड़ता है जो लकीर पहले से ही निर्धारित करके खींच दी गई है।

समाज और समूह के नियमों द्वारा मनुष्य को वे तमाम बाहरी पहचानें दी जाती हैं जो प्रत्येक जगह कई बनावटी परतों और मुखौटों की तरह उसके व्यक्तित्व का निर्माण करती हैं। सुख-सुविधा, सफलता, व्यवस्था और सामाजिक प्रतिष्ठा के आधार पर अधिकतर हम जीवन को परखते हैं, लेकिन वास्तव में अपनी आंतरिक सच्चाई की कसौटी के आधार पर ही जीवन के केंद्र को परखा जा सकता है। कोई दुर्लभ व्यक्तित्व ही औसत जीवन की अपनी इन निजी व्यक्तिगत सीमाओं को तोड़ कर एक वास्तविक और सार्थक विकल्प को पाने का प्रयास करता है, क्योंकि जो नई दृष्टि से स्वयं के अस्तित्व को नहीं जानना चाहता।

उसका बाहर की दुनिया के लिए जितना भी ज्ञान है, वह गलत और व्यर्थ सिद्ध होगा। जब तक जीवन का यह केंद्र दिखाई नहीं देता, तब तक अंधेरे के प्रसार में रोशनी की दिशा की तरह निरंतर उसे खोजना पड़ता है। इसे पाने के लिए अपने ही बनाए गए बहुत से बाहर के प्रभावों और बंधनों से मुक्त होना जरूरी हो जाता है और जब अपना वह आतंरिक आधार समझ में आ जाता है तो वही जीवन का स्थायी केंद्र बन जाता है। जिस व्यक्ति के पास अपना निर्मित स्वतंत्र अस्तित्व होता है, वह भीड़ की मनोवृत्ति पर आश्रित रहना बंद कर देता है और दूसरों के कारण निर्धारित की गई मान्यताओं के प्रभाव से नहीं, बल्कि अपनी उच्चतम चेतना से निर्णय का विकल्प चुनता है, क्योंकि जितनी बार दूसरों के अनुसरण और स्वीकृति के अनुसार काम करने का साधारण रास्ता चुना जाता है, वह भीतर के अज्ञान के अंधेरे को उतना गहरा करता जाता है। अपनी एकाग्र और बोधपूर्ण दृष्टि ही वह कीमती चीज है जो व्यक्ति के जीवन की परिधि में दीपक की तरह हमेशा आलोकित रहती है।

कानून का घेरा और परीक्षाओं में गड़बड़ी करने वालों पर शिकंजा, सरकार के एक्शन का कितना होगा असर

अब शुक्रवार को केंद्र सरकार ने जिस कानून को लागू किया है, उसका उद्देश्य प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी और कदाचार पर रोक लगाना है। दरअसल, करीब चार महीने पहले लोक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) विधेयक, 2024 को मंजूरी मिली थी और अब इसे कानून की शक्ल में लागू किया गया है। इसके प्रावधानों को बेहद सख्त माना जा रहा है और उम्मीद की जा रही है कि अब अलग-अलग स्तर की परीक्षाओं में धांधली पर लगाम लगेगी। हाल में नीट और यूजीसी-नेट की परीक्षाओं में प्रश्न-पत्रों के बाहर आ जाने और अन्य गड़बड़ियों से उपजे विवाद के बीच इस कानून को लागू करने के कदम को महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है।

हाल में नीट और यूजीसी-नेट की परीक्षाओं में प्रश्न-पत्रों के बाहर आ जाने और अन्य गड़बड़ियों से उपजे विवाद के बीच इस कानून को लागू करने के कदम को महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है। पिछले कुछ दिनों से राष्ट्रीय स्तर पर कुछ महत्त्वपूर्ण परीक्षाओं में धांधली, प्रश्न-पत्रों के बाहर आ जाने के मसले पर जिस तरह का रोष देखा जा रहा है, वह स्वाभाविक है। ऐसे हर विवाद के बाद सरकार का यही आश्वासन सामने आता रहा है कि वह मामले की जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। मगर वर्षों से यह समस्या बदस्तूर कायम है। अब शुक्रवार को केंद्र सरकार ने जिस कानून को लागू किया है, उसका उद्देश्य प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी और कदाचार पर रोक लगाना है। दरअसल, करीब चार महीने पहले लोक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) विधेयक, 2024 को मंजूरी मिली थी और अब इसे कानून की शक्ल में लागू किया गया है। इसके प्रावधानों को बेहद सख्त माना जा रहा है और उम्मीद की जा रही है कि अब अलग-अलग स्तर की परीक्षाओं में धांधली पर लगाम लगेगी। हाल में नीट और यूजीसी-नेट की परीक्षाओं में प्रश्न-पत्रों के बाहर आ जाने और अन्य गड़बड़ियों से उपजे विवाद के बीच इस कानून को लागू करने के कदम को महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है।

गौरतलब है कि इस कानून का मुख्य उद्देश्य संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), रेलवे, बैंकिंग भर्ती परीक्षाओं और राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी (एनटीए) आदि द्वारा आयोजित परीक्षाओं में अनुचित साधनों के प्रयोग को रोकना है। यों परीक्षा में नकल या प्रश्न पत्रों को समय से पहले ही बाहर निकालना पहले भी गैरकानूनी रहा है, मगर इस कानून के पहले कोई धांधली किए जाने या अपराध होने की स्थिति में उससे निपटने के लिए कोई विशिष्ट कानून नहीं था। अब अगर नकल कराने जैसी अवैध हरकत के आरोप में कोई पकड़ा जाता है, दोषसिद्धि की स्थिति में उसे न्यूनतम तीन से पांच वर्ष तक के कारावास और ऐसे संगठित अपराध में शामिल लोगों को पांच से दस वर्ष तक की जेल की सजा दी जाएगी। इसमें न्यूनतम एक करोड़ रुपए जुर्माने का भी प्रावधान है। हालांकि इस कानून के तहत प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को इसके दायरे से बाहर रखा गया है। यह जगजाहिर हकीकत रही है कि अपराधों पर रोक लगाने के लिए कानून बनाए जाते हैं, लेकिन उनकी अहमियत कई बार दस्तावेजों में सीमित रहती है।

उसे वास्तव में लागू करने को लेकर मजबूत इच्छाशक्ति नहीं दिखती है। जबकि सख्ती से अमल को सुनिश्चित किए बिना कोई भी कानून बेमानी रहेगा। सरकार और संबंधित महकमों को इस बात पर मंथन करना चाहिए कि नकल का रोग पहले भी गैरकानूनी रहा है, मगर उस पर नकेल कसने के प्रति उदासीनता के क्या कारण रहे? आखिर किन वजहों से स्कूल-कालेज स्तर की परीक्षाओं में नकल की बीमारी नौकरियों और चिकित्सा या इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए होने वाली परीक्षाओं तक में फैल गई? जबकि पिछले कुछ वर्षों में संवेदनशील परीक्षाओं में आधुनिक और उन्नत तकनीकी संसाधनों का इस्तेमाल बढ़ा है, साइबर क्षेत्र में नित नए प्रयोगों के जरिए भी बहुस्तरीय निगरानी का तंत्र भी मजबूत बनाया गया है। इसके बावजूद राष्ट्रीय स्तर पर बेहद अहम मानी जाने वाली परीक्षाओं में नकल या प्रश्न-पत्रों के बाहर आने जैसी धांधली को रोकने में सरकार नाकाम रही। अब नया कानून तभी सार्थक साबित हो सकेगा, जब इसे लागू करने को लेकर वास्तव में इच्छाशक्ति दिखाई जाए, ताकि राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित अहम परीक्षाओं में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

भारत के इस शहर को यूनेस्को ने दिया पहला ‘City of Literature’ होने का गौरव

इसके तहत उसे यूसीसीएन की ‘साहित्य’ श्रेणी में स्थान मिला है। मंत्री ने कहा कि कोझिकोड नगर निगम के कुशल कामकाज ने कोलकाता जैसे समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास वाले शहर को पीछे छोड़कर यूनेस्को से ‘साहित्य के शहर’ की उपाधि हासिल की है। इस उपलब्धि के साथ ही कोझीकोड दुनिया के कुछ प्रतिष्ठित शहरों की सूची में शामिल हो गया, जिसमें चेक गणराज्य में प्राग, इटली में मिलान, यूनाइटेड किंगडम में एडिनबर्ग, फ्रांस में अंगौलेमे, पाकिस्तान में लाहौर और इंडोनेशिया में जकार्ता शामिल हैं। राज्य सरकार ने ऐलान किया है कि अगले साल से 23 जून को कोझिकोड ‘साहित्य शहर’ दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

दिलचस्प बात यह है कि यह सम्मान राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कालीकट के छात्रों की एक रिपोर्ट के बाद मिला। इसमें क्षेत्र के साहित्यिक इतिहास का दस्तावेजीकरण किया गया था। केरल के कोझिकोड शहर को रविवार को यूनेस्को ने आधिकारिक तौर पर भारत का पहला ‘साहित्य शहर घोषित कर दिया। अक्टूबर 2023 में कोझिकोड को ‘यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क’ की ‘साहित्य’ श्रेणी में स्थान मिला था। राज्य के स्थानीय स्वशासन विभाग मंत्री एम बी राजेश ने रविवार को एक आधिकारिक कार्यक्रम में कोझिकोड को मिले इस उपलब्धि की जानकारी दी। इसके तहत उसे यूसीसीएन की ‘साहित्य’ श्रेणी में स्थान मिला है। मंत्री ने कहा कि कोझिकोड नगर निगम के कुशल कामकाज ने कोलकाता जैसे समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास वाले शहर को पीछे छोड़कर यूनेस्को से ‘साहित्य के शहर’ की उपाधि हासिल की है। इस उपलब्धि के साथ ही कोझीकोड दुनिया के कुछ प्रतिष्ठित शहरों की सूची में शामिल हो गया, जिसमें चेक गणराज्य में प्राग, इटली में मिलान, यूनाइटेड किंगडम में एडिनबर्ग, फ्रांस में अंगौलेमे, पाकिस्तान में लाहौर और इंडोनेशिया में जकार्ता शामिल हैं। राज्य सरकार ने ऐलान किया है कि अगले साल से 23 जून को कोझिकोड ‘साहित्य शहर’ दिवस के रूप में मनाया जाएगा। राज्य के स्थानीय स्वशासन विभाग की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि इस दिन छह श्रेणियों में विशेष पुरस्कारों की घोषणा की जाएगी। कोझीकोड स्व. एस के पोट्टक्कड़ और वैकोम मुहम्मद बशीर जैसे महान साहित्यिक लोगों के लिए जाना जाता है। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में पर्यटन मंत्री पी.ए. मोहम्मद रियास ने यूनेस्को द्वारा ‘साहित्य के शहर’ के लोगो का अनावरण किया। राज्य के स्थानीय स्वशासन विभाग के मंत्री एम.बी. राजेश ने ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता एम.टी. वासुदेवन नायर के घर गये और कोझिकोड नगर निगम की ओर से स्थापित हीरक जयंती पुरस्कार सौंपा।

दिलचस्प बात यह है कि यह सम्मान राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कालीकट के छात्रों की एक रिपोर्ट के बाद मिला। इसमें क्षेत्र के साहित्यिक इतिहास का दस्तावेजीकरण किया गया था। हाल ही में कोझीकोड की मेयर बीना फिलिप ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया, ÷कोझीकोड को ‘साहित्य के शहर’ के रूप में टैग करने का विचार सबसे पहले अक्टूबर 2021 में केरल स्थानीय प्रशासन संस्थान के निदेशक अजीत कालियाथ के मन में आया था। हमने इस पर चर्चा की और एक योजना बनाई। यह अध्ययन वास्तुकला और योजना विभाग के सदस्यों द्वारा किया गया था, जिसके प्रमुख मोहम्मद फिरोज ने कहा कि छात्रों ने एक सर्वेक्षण किया, क्षेत्र की साहित्यिक पहुंच का अध्ययन किया, और एक शैक्षणिक परियोजना के हिस्से के रूप में साहित्यिक संपत्तियों, स्थानों और महत्वपूर्ण व्यक्तित्वों के बारे में दस्तावेज तैयार किए। उन्होंने बताया, ÷छात्रों ने क्षेत्र में पुस्तकालयों और प्रकाशन गृहों का मैप तैयार किया, और एक बफर विश्लेषण किया। दस्तावेजों का केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने अनुमोदन किया था। बाद में इसे यूनेस्को के सामने प्रस्तुत किया गया।

भारतीय महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर किया क्लीन स्वीप, शतक की हैट्रिक लगाने से चूकीं मंधाना

नई दिल्ली। उपकप्तान स्मृति मंधाना की शानदार पारी के दम पर भारतीय महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को तीसरे वनडे मुकाबले में छह विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम की। दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान लॉरा वोलवार्ट के अर्धशतक की मदद से 50 ओवर में आठ विकेट पर 215 रन बनाए। जवाब में मंधाना ने 83 गेंदों पर 11 चौकों की मदद से 90 रन की पारी खेली जिसके दम पर भारत ने 40.4 ओवर में चार विकेट पर 220 रन बनाकर मैच जीता। पहले दो मैचों में शतक लगाने वाली मंधाना महज 10 रन से लगातार तीसरा शतक लगाने से चूक गईं।

स्मृति ने फिर दिखाया दम

पिछले दो मैचों में 117 और 136 रन की पारियां खेलने वाली मंधाना ने इस मैच में तीन शानदार साझेदारी कर टीम की जीत में योगदान दिया। उन्होंने पहले विकेट के लिए शेफाली वर्मा (25) के साथ 71 गेंद में 61 रन, जबकि दूसरे विकेट के लिए प्रिया पूनिया (28) के साथ 66 गेंद में 62 रन की साझेदारी की। उन्होंने कप्तान हरमनप्रीत कौर (42) के साथ तीसरे विकेट के लिए 47 गेंद में 48 रन की साझेदारी की। मंधाना ने 18वें ओवर में नोनदुमिसो शेनगेस के खिलाफ चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। मंधाना कुछ शानदार चौके लगाकर तेजी से लगातार तीसरे शतक की ओर बढ़ रही थीं, लेकिन नॉनकुलुलेको म्लाबा के खिलाफ स्वीप शॉट को फाइन लेग पर खड़ी पर खाका के हाथों में खेल गईं। हरमनप्रीत और जेमिमा रोड्रिग्स (नाबाद 19) जीत की औपचारिकता पूरी करने वाली थीं तभी भारतीय कप्तान रन आउट हो गईं। ऋचा घोष ने हालांकि छक्का लगाकर टीम को जीत दिला दी।

वोलवार्ट ने खेली उम्दा पारी

इससे पहले, दक्षिण अफ्रीका के लिए सलामी बल्लेबाज लॉरा वोलवार्ट ने शानदार पारी खेली जिसके दम पर दक्षिण अफ्रीका सम्मानजनक स्कोर खड़ा करने में सफल रहा। वोलवार्ट ने 57 गेंद की पारी में सात चौकों की मदद से 61 रन बनाने के साथ तैजमिन ब्रिट्स (38) के साथ पहले विकेट के लिए 119 गेंद में 102 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी लेकिन उनके आउट होने के बाद टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाने के साथ रन बनाने के लिए संघर्ष करते रही। ब्रिट्स ने 66 गेंद की पारी में दो चौके और एक छक्का जड़ा।

वोलवार्ट और ब्रिट्स ने भारतीय गेंदबाजों को किया परेशान

पिच से गेंद को असामान्य उछाल मिल रही थी लेकिन वोलवार्ट और ब्रिट्स को भारतीय गेंदबाजों के सामने कोई परेशानी नहीं हुई। पिछले मैच में नाबाद 135 रन बनाने वाली दक्षिण अफ्रीका की कप्तान ने अपनी पारी को उसी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ाते हुए तेजी से रन बनाए। उन्होंने ब्रिट्स के साथ जोखिम लिए बिना टीम की रन गति को पांच के आसपास बनाए रखा। वोलवार्ट जहां तेजी से स्कोर को आगे बढ़ा रही थी तो वहीं ब्रिट्स संभल कर खेल रही थी। दक्षिण अफ्रीका ने 18वें ओवर में रनों का सैकड़ा पार किया। अरुंधति रेड्डी ने अपनी गेंद पर शानदार कैच लपक कर वोलवॉर्ट की बेहतरीन पारी को खत्म किया।

भारतीय गेंदबाजों ने बनाया दबदबा

इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने दबदबा बनाना शुरू कर दिया और दक्षिण अफ्रीका ने 120 रन तक चार विकेट गंवा दिया। ब्रिट्स गफलत का शिकार होकर रन आउट हुई तो वहीं अरुंधति ने अपनी गेंद पर एक और बेहतरीन कैच पकड़कर एनेके बॉश (पांच) को पवेलियन की राह दिखाई। मारिजेन कैप (सात) श्रेयंका पाटिल की गेंद पर उन्हीं को आसान कैच दे बैठीं जिससे भारतीय टीम ने आठ ओवर के अंदर चौथी सफलता हासिल कर दक्षिण अफ्रीका को बैकफुट पर धकेल दिया। हालांकि, मेइके डि रिडर की 31 गेंद में 26 रन की नाबाद पारी ने टीम को 200 रन के पार पहुंचाया।

जिम्बाब्वे दौरे के लिए टीम इंडिया का ऐलान टी-20 में पहली बार शुभमन गिल को कप्तानी

नई दिल्ली। अगले महीने होने जा रहे जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। बीसीसीआई ने सोमवार को 15 सदस्सीय टीम घोषित की। यह टीम 6 जुलाई से 14 जुलाई तक हरारे स्पोर्ट्स क्लब में 5 टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी।

टी-20 वर्ल्ड कप में ट्रैवलिंग रिजर्व रहे शुभमन गिल को भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया था, हालांकि बोर्ड ने उपकप्तान के नाम का ऐलान नहीं किया है। शुभमन गिल भारत के ओवरऑल 46वें कप्तान बने हैं। वहीं, टी-20 फॉर्मेट में भारतीय टीम के 14वें कैप्टन हैं।

भारतीय टीम ने आखिरी बार 2022 में जिम्बाब्वे का दौरा किया था। टीम ने 3 वनडे मैचों की सीरीज खेली थी। टीम ने तीनों मैच जीतकर सीरीज पर 3-0 से कब्जा जमाया था। आखिरी टी-20 सीरीज भारत ने जिम्बाब्वे ने 2016 में खेली थी, जहां टीम इंडिया 2-1 से जीती थी।

वे आईपीएल के पिछले सीजन में गुजरात टाइटंस की कप्तान कर चुके हैं, हालांकि उनकी टीम पिछले सीजन के लीग राउंड से ही बाहर हो गई। गुजरात ने गिल को पंड्या की ट्रेडिंग के बाद कप्तान बनाया गया था। पूरी खबर

नीतीश रेड्डी को मौका

सिलेक्टर्स ने आईपीएल की फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलने वाले नीतीश कुमार रेड्?डी को मौका दिया है। वे पहली बार टीम इंडिया में चुने गए हैं। वे इंडिया की बी टीम का हिस्सा रह चुके हैं। नीतीश ने पिछले सीजन में सनराइजर्स की ओर 13 मैचों से 303 रन बनाए थे। उन्होंने 2 फिफ्टी भी जमाई हैं। वे आईपीएल के 275 मैचों में 142.92 के स्ट्राइक रेट से 6363 रन बना चुके हैं। नीतीश के नाम 42 हाफ सेंचुरी दर्ज हैं।

वर्ल्ड कप खेल रही है टीम इंडिया

भारतीय टीम इस समय टी-20 वर्ल्ड कप खेल रही है। सोमवार को टीम का आखिरी सुपर 8 मैच ऑस्ट्रेलिया से होना है। भारतीय टीम वर्ल्ड कप में अब तक अजेय है।

मुझे उम्मीद है कि भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान आएगी - वसीम अकरम

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन पाकिस्तान में होगा। टूर्नामेंट 19 फरवरी से 9 मार्च के बीच खेला जाएगा। इसमें 7 टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी। इन सात देशों में भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान शामिल हैं। भारतीय टीम चैंपियंस ट्राफी के लिए पाकिस्तान जाएगी या नहीं इस पर अभी विवाद है। इस बीच दिग्गज पाकिस्तानी तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने उम्मीद जताई है कि भारत को इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्रिकेट की बेहतरी के लिए यह जरूरी है।

हमारे पास बेहतरीन सुविधाएं

आईएएनएस से बातचीत में अकरम ने कहा, मुझे उम्मीद है कि भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान आएगी। पूरा देश सभी टीमों के स्वागत का इंतजार कर रहा है। हम उनका शानदार स्वागत करेंगे। हमारे पास बेहतरीन सुविधाएं हैं और हम नए स्टेडियमों पर काम कर रहे हैं। मेरा मानना है कि यह एक शानदार टूर्नामेंट होगा और पाकिस्तान को क्रिकेट की बेहतरी के लिए उस टूर्नामेंट की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि सभी देश आएंगे क्योंकि क्रिकेट और राजनीति हमेशा अलग होनी चाहिए।

भारतीय टीम ने आखिरी बार 2006 में पाकिस्तान का दौरा किया था। 2013 के बाद से दोनों टीमें केवल आईसीसी टूर्नामेंट में टकराती हैं। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि भारतीय टीम पाकिस्?तान की यात्रा नहीं करेगी। ऐसे में यह टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल में खेला जा सकता है। अकरम ने कहा, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए सब कुछ तैयार है। पूरा देश सभी टीमों का स्वागत करने के लिए उत्सुक है। मुझे उम्मीद है कि आप लोग यह देखने आएंगे कि पाकिस्तान में हमारे पास क्या व्यवस्थाएं हैं।

अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंची, वेस्टइंडीज को 3 विकेट से हराया

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका ने आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के 10वें सुपर-8 मैच में वेस्टइंडीज को 3 विकेट से हरा दिया है। साउथ अफ्रीका ने इस जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह बना लिया है। वहीं मेजबान वेस्टइंडीज टी-20 वर्ल्ड कप 2024 से बाहर हो चुका है।

सुपर-8 के ग्रुप-2 से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दो टीमें तय हो गईं। साउथ अफ्रीका ने टॉप पर रहते हुए क्वालिफाई किया, जबकि इंग्लैंड की टीम दूसरे स्थान पर रही।

एंटीगुआ में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया। वेस्टइंडीज ने साउथ अफ्रीका को 136 रन का टारगेट दिया था। हालांकि, बारिश की वजह से डकवर्थ लुईस नियम के तहत तीन ओवर्स घटा दिए गए थे। फिर साउथ अफ्रीका को 17 ओवर में 123 रन का टारगेट मिला। जवाब में साउथ अफ्रीका ने 16.1 ओवर में 7 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

वेस्टइंडीज-साउथ अफ्रीका मैच का स्कोरकार्ड

मैच विनर तबरेज शम्सी ने 3 विकेट लिए। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही थी। दो शुरुआती झटकों के बाद काइल मेयर्स ने रोस्टन चेज के साथ तीसरे विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी की। शम्सी ने इस साझेदारी को तोड़ा। उन्होंने मेयर्स को 35 रन पर आउट किया। शम्सी ने वेस्टइंडीज के टॉप स्कोरर रोस्टन चेज और मेयर्स के अलावा शेरफेन रदरफोर्ड को भी आउट किया।

व्यापार

1 जुलाई से महंगी हो जाएंगी हीरो की गाड़ियां कंपनी ने 1500 रुपए तक बढ़ाए दाम

नई दिल्ली। अगले महीने की शुरुआत यानी 1 जुलाई से हीरो मोटोकॉर्प की गाड़ियां महंगी हो जाएंगी। कंपनी ने कुछ चुनिंदा वाहनों की एक्स-शोरूम कीमतों को 1,500 रुपए तक बढ़ाने का ऐलान किया है। कंपनी ने आज यानी 24 जून को स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इस बात की जानकारी दी है।

हीरो मोटोकॉर्प ने बताया कि कमोडिटी प्राइस में बढ़ोतरी के चलते यह फैसला लिया गया है। कंपनी का कहना है कि कीमतों में बढ़ोतरी सभी गाड़ियों पर लागू नहीं होंगी। यह सिलेक्टेड मॉडल की एक्स शोरूम कीमतों पर लागू होगी। इससे पहले कंपनी ने 3 जून 2023 को स्कूटर और बाइक के कुछ मॉडलों की एक्स-शोरूम कीमत करीब 1.5 प्रतिशत तक बढ़ाई थी। हीरो मोटोकॉर्प का शेयर आज यानी 24 जून को 1.25 प्रतिशत चढ़कर 5520 रुपए के स्तर पर बंद हुआ। पिछले एक महीने में हीरो के शेयर ने 7.85 प्रतिशत, 6 महीने में 35.71 प्रतिशत और एक साल में 93.60 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। कंपनी ने शेयर ने केवल इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 34.03 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। टाटा मोटर्स ने आज यानी 19 जून को अपने सभी कॉमर्शियल व्हीकल्स के दाम 2त्न तक बढ़ाने का ऐलान किया है। बढ़े हुए दाम 1 जुलाई 2024 से प्रभावी होंगे। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी है। टाटा मोटर्स ने बताया कि कमोडिटी प्राइस में बढ़ोतरी के चलते यह फैसला लिया गया है। कंपनी का कहना है कि कीमतों में बढ़ोतरी सभी कॉमर्शियल व्हीकल्स की रेंज पर लागू होगी और अलग-अलग मॉडल और वैरिएंट के अनुसार बढ़ोतरी अलग-अलग होगी।

स्टेनली लाइफस्टाइल्स का आईपीओ पहले दिन 1.59 गुना सब्सक्राइब हुआ, रिटेल कैटेगरी में 2.12 गुना भरा

नई दिल्ली। स्टेनली लाइफस्टाइल्स लिमिटेड के इनिशियल पब्लिक ऑफर आईपीओ के सब्सक्रिप्शन का आज दूसरा दिन है। पहले दिन यह इश्यू टोटल 1.59 गुना सब्सक्राइब हुआ। रिटेल कैटेगरी में यह आईपीओ 2.12 गुना, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स में 0.29 गुना और नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स कैटगरी में 2.12 गुना सब्सक्राइब हुआ। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 25 जून तक बोली लगा सकते हैं। 28 जून को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। स्टेनली लाइफस्टाइल्स लिमिटेड इस इश्यू के जरिए टोटल ?537.02 करोड़ जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी ?200 करोड़ के 5,420,054 नए शेयर इश्यू कर रही है। वहीं, कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल यानी ओएफएस के जरिए ?337.02 करोड़ के 9,133,454 शेयर बेच रहे हैं।

मैक्सिमम 520 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं रिटेल निवेशक

स्टेनली लाइफस्टाइल्स लिमिटेड ने इस इश्यू का प्राइस बैंड ?351-?369 तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 40 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड ?369 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए ?14,760 इन्वेस्ट करने होंगे।

वहीं, मैक्सिमम 13 लॉट यानी 520 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाय कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 191,880 इन्वेस्ट करने होंगे।लिस्टिंग से पहले कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में 46.61 प्रतिशत यानी 172 प्रति शेयर के प्रीमियम पर पहुंच गया है। ऐसे में अपर प्राइस बैंड 369 के हिसाब से इसकी लिस्टिंग 541 पर हो सकती है। हालांकि, इससे केवल अनुमान लगाया जा सकता है, शेयर की लिस्टिंग की प्राइस ग्रे मार्केट की प्राइस से काफी अलग होती है।

कंपनी के इश्यू का 50 प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व रखा गया है। इसके अलावा करीब 35 प्रतिश हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स और बाकी का 15 प्रतिशत हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व है।स्टेनली लाइफस्टाइल्स लिमिटेड सुपर-प्रीमियम, लक्जरी और अल्ट्रा-लक्जरी फर्नीचर को डिजाइन और मैन्युफैक्चर करती है। कंपनी की स्थापना 2007 में हुई थी। स्टेनली लाइफस्टाइल्स लिमिटेड अलग-अलग कैटेगरी में कई तरह के प्रोडक्ट बनाती है। इसमें सोफा, सीटिंग फर्नीचर, कॉफी टेबल, डाइनिंग टेबल, वार्डरोब, यूटिलिटी अलमारी, शू रैक, बेडसाइड टेबल सहित अन्य प्रोडक्ट शामिल हैं।

जब कोई कंपनी पहली बार अपने शेयर्स को आम लोगों के लिए जारी करती है तो इसे इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ कहते हैं। कंपनी को कारोबार बढ़ाने के लिए पैसे की जरूरत होती है। ऐसे में कंपनी बाजार से कर्ज लेने के बजाय कुछ शेयर पब्लिक को बेचकर या नए शेयर इश्यू करके पैसा जुटाती है। इसी के लिए कंपनी आईपीओ लाती है।

क्वांट म्यूचुअल फंड पर गड़बड़ियों के आरोप फंड हाउस बोला- जांच में सहयोग करेंगे

नई दिल्ली। क्वांट म्यूचुअल फंड ने अपने निवेशकों को फ्रंट रनिंग केस में सेबी की जांच को लेकर स्पष्टीकरण जारी किया है। क्वांट ने कहा कि वह रेगुलेटर के साथ सहयोग करने के लिए पूरी तरह से कमिटेड है। इसके फाउंडर संदीप टंडन हैं।

मार्केट रेगुलेटर सेबी इस मामले की जांच कर रही है। मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई और हैदराबाद में कई स्थानों पर तलाशी और जब्ती अभियान चलाया गया है। क्वांट डीलरों और मामले से जुड़े लोगों से भी पूछताछ की गई है।

क्वांट म्यूचुअल फंड पिछले तीन वर्षों में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले म्यूचुअल फंड हाउसों में से एक रहा है। इसका एयूएम जनवरी 2020 में 258 करोड़ रुपए था जो जून 2024 में बढ़कर 90,000 करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है।

म्यूचुअल फंड में फ्रंट- रनिंग एक इल्लीगल प्रैक्टिस है जहां ब्रोकर या डीलर, पर्सनल ट्रेड करने के लिए बड़े पेंडिंग म्यूचुअल फंड ट्रांजेक्शन के एडवांस नॉलेज का उपयोग करता है।

म्यूचुअल फंड शेयर बाजारों में बाइंग और सेलिंग के बड़े ऑर्डर डीलरों जैसे मध्यस्थों के जरिए एग्जीक्यूट करते हैं। ऐसे में डीलर म्यूचुअल फंड की बड़ी बाइंग या सेलिंग से ठीक पहले प्रॉफिट कमाने के लिए उन स्टॉक्स में एंट्री ले लेता है। जब म्यूचुअल फंड उन स्टॉक्स को बड़ी संख्या में खरीदता है तो स्टॉक में तेजी आती है और ब्रोकर प्रॉफिट कमाने के लिए अपने शेयरों को बेच देता है। इसी तरह म्यूचुअल फंड की स्टॉक सेलिंग के दौरान डीलर शॉर्ट सेल कर पैसा कमाता है।

निवेशक को कैसे प्रभावित करती है फ्रंट-रनिंग?

फ्रंट-रनिंग निवेशकों को कई तरह से प्रभावित करती है। उदाहरण के लिए, यदि कोई म्यूचुअल फंड, बड़ी संख्या में शेयर खरीदने की योजना बनाता है और मध्यस्थ पहले शेयर खरीद लेता है, तो म्यूचुअल फंड के अपनी बाइंग पूरी करने से पहले ही स्टॉक की कीमत बढ़ जाती है। इसके कारण म्यूचुअल फंड को शेयरों के लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ती है, जिससे उसका संभावित रिटर्न कम हो जाता है। इसके विपरीत, सेल ऑर्डर्स के दौरान, म्यूचुअल फंड को शेयरों के लिए कम कीमत मिलती है, जिससे इसके संभावित रिटर्न में फिर से कमी आती है।

रिलायंस फाउंडेशन ने लेट्स मूव इंडिया पहल के तहत 900 बच्चों के साथ मनाया ओलंपिक दिवस

मुंबई। रिलायंस फाउंडेशन ने 900 बच्चों के साथ आईओसी की लेट्स मूव इंडिया पहल के तहत मुंबई के रिलायंस कॉरपोरेट पार्क में शनिवार को ओलंपिक दिवस मनाया। इस खास कार्निवल में बच्चों ने उत्कृष्टता, सम्मान और दोस्ती जैसे ओलंपिक मूल्यों पर केंद्रित विभिन्न गतिविधियों का आनंद लिया। इस दौरान बच्चों ने छह बार के शीतकालीन ओलंपियन शिवा केशवन से मुलाकात की, जिन्होंने बच्चों को ओलंपिक मूल्यों के महत्व पर जोर देते हुए अपने अनुभव साझा किए।

ओलंपियन शिवा केशवन ने बताया कि बच्चे बेहद उत्साही थे और उनका जुनून बेमिसाल था। उन्हें ओलंपिक मूल्यों से प्रेरित करना मेरे लिए गर्व की बात है। मुझे उम्मीद है कि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से खेल जारी रखेंगे और शायद इसमें करियर भी बनाएंगे।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के 200 से अधिक कर्मचारियों ने स्वेच्छा से इस पहल में भाग लिया, जिसमें बास्केटबॉल, फुटबॉल, वॉकिंग रेस, फिटनेस सेशंस और ड्राइंग जैसी गतिविधियाँ शामिल थीं। आईओसी के डिजिटल एंगेजमेंट और मार्केटिंग निदेशक लिआंड्रो लारोसा ने कहा, भारत में लेट्स मूव पहल पर सहयोग करने और युवाओं को एक ओलंपियन से मिलने का अवसर प्रदान करने के लिए रिलायंस फाउंडेशन को धन्यवाद।

रिलायंस फाउंडेशन का लक्ष्य लेट्स मूव इंडिया के जरिए आने वाले हफ्तों में 10,000 वंचित बच्चों के बीच समावेशिता, विकास और शारीरिक गतिविधि के महत्व को बढ़ावा देना है।

नौ दिनों से जैतहरी एवं अनूपपुर के जंगल में डेरा जमाए दो नर हाथी, रात में करते गांव में विचरण

- ग्रामीण परेशान, नहीं निकल रहा कोई कारगर उपाय, प्रशासनिक अधिकारी कर रहे क्षेत्र का भ्रमण

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। जिले के अनूपपुर एवं जैतहरी थाना,तहसील एवं रेंज अंतर्गत गांव से लगे जंगल में दो नर हाथियों ने विगत 9 दिनों से निरंतर डेरा जमाए हुए हैं, जो दिन के होते ही जंगल के बीच जाकर पूरे दिन आराम करने बाद देर शाम एवं रात होने पर आसपास के ग्रामीण अंचलों में ग्रामीणों के घरों में रखे अनाज को खाने के लिए घरों को तोड़ने, खेत एवं बांड़ी में लगे अनाज तथा विभिन्न तरह की सब्जियों, फलों को अपना आहार बनाते रात भर विचरण कर रहे हैं, जिससे ग्रामीण जनो में परेशान का शबाब बना हुआ है, उसको लेकर ग्रामीणों में तनाव एवं अशांति का माहौल बना हुआ है, वहीं कुछ ग्रामीण अपने घर एवं खेत एवं बड़ी को हाथियों के प्रवेश से रोकने के लिए आपत्तिजनक उपाय का प्रयोग करने को बाध्य हो रहे हैं। विगत दिनों हाथियों के निरंतर विचरण की सूचना पर अनूपपुर कलेक्टर,पुलिस अधीक्षक के साथ आए अधिकारियों ने हाथी प्रभावित क्षेत्र के ग्रामों का दौरा कर ग्रामीणों से चर्चा करते हुए एक बार फिर से इस समस्या के समाधान का जल्द ही रास्ता निकालने का आश्वासन दिया, वहीं सोमवार की दोपहर अनूपपुर वन मंडलाधिकारी ने भी हाथी प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर ग्रामीणों के साथ वन विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों से हाथियों के विचरण के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को स्थिति से अवगत कराकर शीघ्र ही समाधान निकालने का आश्वासन ग्रामीणों को दिया।

यह दोनों हाथी शनीवार की सुबह प्रत्येक दिन की तरह गोबरी के जंगल में पूरे दिन विश्राम करने बाद देर रात जंगल से निकल कर जंगल से लगे गोवरी गांव के सुखीलाल राठौर के घर के खेत से निकाल कर विजय सिंह के घर के पास गोबरी-ठेंगरहा मुख्य मार्ग को कुछ दूर तक चलते हुए जंगल में उतरकर ठेंगरहा गांव के तालाब में पहुंचकर पानी पीने बाद गांव के कोलान टोला,नया तालाब के पास अक्षय राठौर के बाड़ी में लगी सब्जियों को अपना आहार बनाते हुए रात व्यतीत कर रविवार की सुबह फिर से गोबरी के जंगल में पूरे दिन व्यतीत कर रविवार की देर रात जंगल से निकाल कर ठेंगरहा-पगना मुख्य मार्ग को पार कर ठेंगरहा गांव में संजय सिंह के बांड़ी से होकर कुदुरझोरी नाला पार कर अनूपपुर थाना एवं वन परिक्षेत्र के ग्राम पंचायत पंगना के ग्राम बांका निवासी महादोले सिंह के घर ग्रामीणों एवं गस्ती दल को चकमा देते हुए अचानक पहुंच गए हाथियों की आहट सुनकर महदोले का परिवार घर छोड़ दूर खड़े होकर हो-हल्ला कर रहा था इसी बीच सूचना मिलने पर हाथी विचरण दाल में लगे वन तथा पुलिस विभाग के अधिकारी/कर्मचारी स्थल पर पहुंचकर पटाखा एवं अन्य माध्यमों से दोनों हाथियों को महदोले के घर के पास से दूर भगाए जो पूरी रात विचरण करने बाद सोमवार की सुबह 9 में दिन फिर से गोबरी के जंगल में पहुंचकर विश्राम कर रहे हैं,सोमवार की साम कुछ देर के लिए जंगल से दोनों हाथी निकलकर गोबरी में ठाकुर बाबा के पास एक किसान की खेत में लगे बोर के पास भरे पानी को पीने बाद फिर से जंगल में चले गए हैं जो देर शाम एवं रात को और विचरण करेंगे यह रात होने पर ही पता चल सकेगा।

स्व सहायता समूह की महिलाओं को सशक्त करने हेतु किए जाएं सार्थक प्रयास: कलेक्टर

- कलेक्टर ने स्व सहायता समूह की महिलाओं के आजीविका संवर्धन गतिविधि की समीक्षा

अनूपपुर। आजीविका के माध्यम से स्व सहायता समूह की महिलाओं को सशक्त करने कि सार्थक प्रयास किए जाएं। आजीविका आधारित गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए महिलाओं को सकल यूनिट उत्पाद का एक्सप्लोजर विजिट कराया जाए। उक्ताशय के विचार कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में आजीविका मिशन के स्व सहायता समूह की महिलाओं के आजीविका संवर्धन गतिविधि की समीक्षा करते हुए कही।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा, लीड बैंक प्रबंधक, ग्रामीण आजीविका मिशन के डीपीएम, कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी, वॉटर शेड एवं एनआरएलएम के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा स्व-सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित थी।

बैठक में कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने कहा कि आजीविका मिशन के जिन स्व सहायता समूहों को आजीविका गतिविधि से जोड़ा जा रहा है, उन्हें

आजीविका की ली गई गतिविधि यूनिट की अच्छी समझ हो, इसलिए ऐसे समूहों की महिलाओं का सफल यूनिट का जिले या जिले के बाहर एक्सपोजर विजिट कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आजीविका गतिविधि चयन के तत्काल उपरांत एक्सपोजर विजिट सुनिश्चित की जाए, संतुष्टि उपरांत बैंकिंग लोन की प्रक्रिया सुनिश्चित हो सके। बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्व सहायता समूह की महिलाओं को लगातार प्रशिक्षण दिया जाए तथा विभागीय अधिकारी स्व सहायता समूह को समृद्ध बनाने हेतु उनको प्रेरित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए की विभागीय अधिकारी स्व सहायता समूह के प्रोजेक्ट का अवलोकन करें तथा मांग आपूर्ति गतिविधि का प्राथमिकता में चयन किया जाएं। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि विभागीय अधिकारी समूह के प्रोजेक्ट को देख लें क्योंकि बैंक लोन के साथ नए प्रोजेक्ट किसी तरह रिस्क न रहे। उन्होने आजीविका गतिविधियों का कलस्टर विकास के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि स्व सहायता समूह एक ही तरह की गतिविधि ना लें तथा अंतिम गतिविधि को बैंक भेजें। जुलाई तक चार-पांच यूनिट प्रारंभ हो जाए, ऐसा लक्ष्य रखें। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि समूह फाइनल होने पर अच्छी यूनिट का एक्सपोजर विजिट कराएं। फाइनल से पहले विभागीय अधिकारी गतिविधियों का परीक्षण करें।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा के तहत मिली क्लेम की राशि स्टेट बैंक शाखा से

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। कुंज बिहारी राठौर निवासी वार्ड न 01 सामतपूर अनूपपुर को उनकी पत्नी स्व. सुमित्रा राठौर के स्वर्गवास होने पर उनके पति कुंज बिहारी राठौर को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत की गई बीमा की राशि भारतीय स्टेट बैंक शाखा अनूपपुर स्टाफ आशीष कोगारी एव मंगल सिंह के प्रयासों के कारण क्लेम राशि 2 लाख रुपए का चेक शाखा प्रबंधक सतीश मिश्रा शहडोल शाखा प्रबंधक, क्षीतेषवर पटेल एव क्षेत्राधिकारी रंजीत कुमार राय के द्वारा दिया गया। विदित हो प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा हर खाताधारक को स्टेट बैंक में नियमित हर वर्ष 436 रुपए के प्रीमियर में प्राप्त होता है।

सभी अधिकारी समन्वय के साथ वन भूमि के प्रकरणों का निराकरण करें: कलेक्टर

– कलेक्टर ने वन प्रकरणो की समीक्षा कर दिए निर्देश

अनूपपुर। विभिन्न विभागों के जनहित से जुड़े संचालित निर्माण कार्यों में वन विभाग से संबंधित अनापत्ति एवं वनाधिकार आदि के संबंध में अंतर विभागीय अधिकारियों तथा वन विभाग के अधिकारियों के साथ कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने बैठक कर वन विभाग से संबंधित सभी समस्याओं का नियमानुसार निराकरण अंतर समन्वय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में जिला वनमण्डलाधिकारी श्रद्धा पेर्न्दे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा एसडीओ वन खत्री सहित वन एवं संबंधित विभाग के अधिकारी

उपस्थित थे।

बैठक में ऊर्जा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सड़क मार्ग, पीएमजीएसवाई, पीआईयू ,ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, खनिज विभाग तथा नगरीय निकाय अमरकंटक कपिलधारा बैराज हेतु वनभूमि पर चर्चा, पसान पेयजल योजना के अंतर्गत पाइप लाइन सर्वे कार्य, राजनगर एवं बनगवां सड़क सदृढ़ीकरण से संबंधित लंबित प्रकरणों पर चर्चा की गई। वन विभाग के अधिकारी ने लंबित प्रकरणों के निराकरण हेतु दस्तावेजी संबंधी कार्यवाही के संबंध में जानकारी दी। बैठक में जिन कार्यों में जॉइंट सर्वे किया जाना है उसे शीघ्र किए जाने के संबंध में तिथि सुनिश्चित कर सर्वेक्षण कार्य पूर्ण कर प्रकरणों के निराकरण के संबंध में कलेक्टर ने निर्देश दिए।

रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार योजना - वर्ष 2024

झांसी। रेल यात्रा वृत्तांत हिंदी भाषा में होना चाहिए और मौलिक होना चाहिए तथा न्यूनतम 3000 शब्दों एवं अधिकतम 3500 शब्दों तक होना चाहिए। यह डबल स्पेस में टाइप किया हुआ, चारों तरफ कम से कम एक इंच का हाशिया छोड़ा हुआ हो और पृष्ठ संख्या अंकित हो। शब्दों की कुल संख्या लिखी होनी चाहिए। वृत्तांत के प्रारंभ में एक अलग कागज में बड़े अक्षरों में नाम, पदनाम, आयु, कार्यालय / निवास का पता, मातृभाषा, मोबाइल नं ई-मेल, वृत्तांत के शब्दों की संख्या आदि का उल्लेख किया जाना चाहिए। इस योजना में भाग लेने के इच्छुक केंद्रीय अथवा राज्य सरकार की सेवा में कार्यरत् अधिकारियों/कर्मचारियों को इस आशय का घोषणा पत्र देना होगा कि उनके विरुद्ध किसी भी प्रकार का सतर्कता / अनुशासन एवं अपील नियम से संबंधित मामला लंबित या विचाराधीन नहीं है। जो आवेदक सरकारी सेवा में नहीं हैं, उन्हें इस आशय का घोषणा पत्र देना होगा कि उनके खिलाफ न तो किसी भी प्रकार का आपराधिक मामला चल रहा है और न ही ये किसी प्रकार की सजा भुगत रहे हैं। इसके अतिरिक्त सभी प्रतिभागियों को घोषणा पत्र में यह भी उल्लेख करना होगा कि- संबंधित रेल यात्रा वृतांत मेरी मौलिक रचना है, इसे किसी अन्य पुरस्कार योजना के अंतर्गत पुरस्कृत नहीं किया गया है। प्रतिभागी अपनी प्रविष्टि दो प्रतियों में 31.07.2024 तक सहायक निदेशक, हिंदी (प्रशिक्षण), कमरा नं. 316, कॉफमो रेल कार्यालय परिसर, तिलक ब्रिज, आई टी ओ , नई दिल्ली-11000 2को निरपवाद रूप से भिजवा दें। वृतांत की एकल प्रति प्राप्त होने पर प्रविष्टि रद्द कर दी जाएगी। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त प्रविष्टियों पर मंत्रालय द्वारा विचार नहीं किया जाएगा।

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) सभी भारतीयों के लिए हिंदी में रेल यात्रा वृत्तांत प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है, जिसमें निम्नानुसार राशि एवं प्रशस्ति पत्र दिए जाने का प्रावधान है-

प्रथम पुरस्कार (एक)	:	रू 10,000/-
द्वितीय पुरस्कार (एक)	:	रू 8,000/-
तृतीय पुरस्कार (एक)	:	रू 6,000/-
प्रेरणा पुरस्कार (पांच)	:	रु 4,000/- प्रत्येक

झाँसी मंडल में वीडियो वैन द्वारा जागरूकता अभियान

झाँसी-ग्वालियर रेलखंड के मध्य समपार फाटक से सम्बंधित संरक्षा विषयों पर लोंगों को किया गया जागरूक

झांसी। आज दिनांक 24.06.2022 को झाँसी मण्डल में संरक्षा जागरूकता मोबाइल वीडियो वैन द्वारा झाँसी ङ्कग्वालियर रेलखंड खंड के समपार फाटक सहित ग्रामीण क्षेत्र में जन जागरुकता फैलायी गयी ।इस अभियान के दौरान रेल-सड़क उपयोगकर्ताओं को रेल यात्रा से सम्बंधित सावधानियों के बारे में आडियो विजुअल सिस्टम के द्वारा जागरूक किया गया विडियो वैन के माध्यम से झाँसी ङ्कग्वालियर के मध्य समपार फाटक संख्या 398/ई ,सिमारियां गाँव ,ग्वालियर स्टेशन डबरा स्टेशन ,दतिया स्टेशन पर मोबाइल विडियो वैन द्वारा आम जनता को जागरूक किता गया इस दौरान संरक्षा सलाहकार द्वारा आम जनमानस के बीच पैम्फलेट पोस्टर और स्टीकर वितरित किये जा रहे है जिसमें रेल संरक्षा सम्बंधित विषय पर विस्तार पूर्वक समझाया गया है इस दौरान झाँसी मंडल के संरक्षा सलाहकार सुनील कुमार गुप्ता द्वारा उपरोक्त जागरूकता अभियान में अहम् भूमिका निभाई गयी यह संरक्षा जागरूकता वैन अपने 45 दिनों के अभियान के दौरान, सड़क उपयोगकर्ताओं को समपार सम्बन्धी सुरक्षा सावधानियों के बारे में शिक्षित करने के लिए उत्तर मध्य रेलवे के 3 मंडलों(झाँसी ,प्रयागराज ,आगरा) में विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों को कवर कर रही है । टीवी और ऑडियो विजुअल सिस्टम वाली यह मोबाइल वैन स्कूलों, लेवल क्रॉसिंगों , गांवों, पंचायतों, तहसीलों, आसपास के बाजारों आदि को कवर कर रही है । वैन में जागरूकता प्रसारण के लिए कई लघु फिल्में बनाई गई हैं जिनमें लेवल क्रॉसिंगों को सावधानी से कैसे पास करें ट्रैक पर मवेशियों को ना ले जाने, ट्रेन की छत और फुट बोर्ड पर यात्रा ना करें', यात्रा के दौरान कभी भी अजनबी से खाने-पीने की चीजें स्वीकार नहीं करना ट्रेन में ज्वलनशील सामग्री नहीं ले जाना आदि जैसे विषयों को शामिल किया गया है।

क्षेत्रीय रेलवे प्रशिक्षण संस्थान भुसावल में आयोजित हिंदी निबंध प्रतियोगिता में झाँसी मंडल के मुख्य वाणिज्य निरीक्षक दीपक शर्मा ने जीता प्रेरणा पुरस्कार

झांसी। रेलवे बोर्ड के तत्वाधान में अखिल रेल स्तर पर क्षेत्रीय रेलवे प्रशिक्षण संस्थान भुसावल द्वारा हिंदी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 19 जून से 21 जून 2024 के मध्य किया गया द्य इस प्रतियोगिता में सभी क्षेत्रीय रेलवे के कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ सहभागिता की इस प्रतियोगिता में झांसी मंडल के सीसीआई दीपक शर्मा द्वारा भी भाग लिया गया दीपक शर्मा ने अपनी लेखनी प्रतिभा से लोंगों को प्रभावित किया एवं प्रेरणा पुरस्कार से सम्मानित हुए दिनांक 21.06.24 को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में निदेशक राजभाषा /रेलवे बोर्ड एवं मंडल रेल प्रबंधक /भुसावल द्वारा दीपक शर्मा को प्रेरणा पुरस्कार से सम्मानित कर प्रमाणपत्र एवं 2500/- नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।

भारतीय युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में युवा साथियों ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता की

आगरा। भारतीय युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष ताहिर हुसैन के नेतृत्व में युवा साथियों ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद राहुल गांधी पर एवं मल्लिकार्जुन खड़के अजय राय पर आस्था व्यक्त करते हुए कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण करी है शहर प्रवक्ता अनुज शिवहरे ने बताया कि इन्होंने । वार्ड राहुल 61 से एमआईएम से चुनाव लड़ा था और भाजपा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ में रह चुके हैं आज राहुल गांधी की मेहनत और विचारों को देखते हुए राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा को देखते हुए गरीब मजदूर असहाय लोगों की जो लड़ाई लड़ने का काम किया है संविधान को बचाने का काम किया है एवं इस देश में नफरत के बाजार में मोहब्बत पैदा करने का काम किया है उसको देखते हुए इन्होंने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण करी है शहरअध्यक्ष अमित सिंह ने कहा है कि युवा साथियों ने भरोसा दिलाया है कि हर संभव कांग्रेस पार्टी के लिए वार्ड स्तर पर विधानसभा स्तर परलोकसभा स्तर पर कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे। सभी युवा साथियों के आने से कांग्रेस पार्टी को मजबूती प्रदान होगी सदस्य ग्रहण कराने वालों में शहर अध्यक्ष अमित सिंह युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष ताहिर हुसैन पूर्व पार्षद रितु शर्मा उपाध्यक्ष बुराहन शमसी शहर प्रवक्ता अनुज शिवहरे ने मोहम्मद अयूब उस्मानी राजा अब्बास सोहेल खान सद्दाम अल्वी कुलदीप चौहान सनी अल्वी साजिद अहमद सोनू कैंप सुमित सिंह नदीम खान। सभी लोगों को माला और कांग्रेस पार्टी की पटीका पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया आदि लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण करी मुख्य रूप से कबीर कुरैशी अखिल कुरैशी बिल्लू चौहान सलमान कुरेशी चौधरी सचिन यादव फरमान खान आदि लोग उपस्थित थे।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण सत्र एक जुलाई से

ग्वालियर। शारदा विहार सिटी सेंटर स्थित शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र में मध्यप्रदेश के मूलनिवासी अनुसूचित जाति व जनजाति के छात्र-छात्राओं को एमपी पीएससी एवं कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित परीक्षाओं, रेलवे भर्ती इत्यादि की तैयारी कराने के लिये एक जुलाई से निःशुल्क प्रशिक्षण सत्र शुरू होने जा रहा है। प्रशिणार्थी को नियमानुसार शिष्यावृति भी दी जाती है।

शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र के प्राचार्य के अनुसार इस प्रशिक्षण सत्र में सामान्य ज्ञान, विज्ञान व तकनीकी, अंग्रेजी, भूगोल, संविधान, इतिहास, कम्प्यूटर, गणित, रीजनिंग एवं अर्थशास्त्र आदि विषयों की पढ़ाई प्रतियोगी परीक्षाओं के हिसाब से कराई जाती है। साथ ही विषयवार मॉक टेस्ट भी कराए जाते हैं। केन्द्र में पुस्तकालय व कम्प्यूटर सुविधा भी उपलब्ध है। परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र में मध्यप्रदेश के मूलनिवासी अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के ऐसे विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाती है, जिनके परिवार की वार्षिक आय 6 लाख रूपए से अधिक न हो। कुल निर्धारित स्थानों में 50 प्रतिशत स्थान महिला प्रशिणार्थियों के लिये आरक्षित हैं। आवेदक की योग्यता प्रतियोगी परीक्षा के लिये होना चाहिए। साथ ही निर्धारित योग्यता परीक्षा में कम से कम 55 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण हों। आवेदक को प्रतियोगी परीक्षा के लिये आवेदन करना अनिवार्य है।

अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरि महासभा का स्थापना दिवस समारोह व परिचय सम्मेलन 3 व 4 अगस्त को

भोपाल। अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरि महासभा द्वारा 03 व 4 अगस्त को एलएनसीटी विश्वविद्यालय, जेके अस्पताल परिसर कोलार रोड, भोपाल में संगठन का स्थापना दिवस समारोह व परिचय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। उक्ताश्य की जानकारी देते हुए संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जय नारायण चौकसे ने बताया कि 03 अगस्त को उ?द्घाटन सत्र, अतिथि परिचय व विचार गोष्ठी का आयोजन होगा। दूसरे दिन 04 अगस्त को महासभा की कार्यसमिति की घोषणा एवं शपथ ग्रहण समारोह तथा युवक युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। उन्होने बताया कि युवक युवती परिचय समेलन के लिए विवरण 25 जुलाई तक स्वीकार किए जायेंगे। भोपाल से बाहर आने वाले

अतिथिगण अपनी स्वीकृति 31 जुलाई तक मोबाइल नंबर 9425014460, 9826065237, 9425011774, 7999728466, 9303134255, 9827053683 आवश्यक रुप से यात्रा विवरण सहित भेजे।

संत आशाराम बापू आश्रम में मसाज थेरेपी शुरू

ग्वालियर। संत आशाराम बापू आश्रम में महीने भर से प्राकृतिक चिकित्सा की पुरानी मसाज थेरेपी शुरू की गई है। जिसमें कांस्य धातु से निर्मित मशीन द्वारा मात्र 10 मिनिट रोज पैरों की मसाज करने से पुराने असाध्य दर्द, जोड़ों के दर्द, अनिंद्रा, बैचेनी, घबराहट, सर्वाइकल दर्द, आंखों की रोशनी, शुगर, थायराइड, ब्लड प्रेशर इत्यादि से राहत मिलकर चेहरे का आभा मंडल खिलता है। मीडिया प्रभारी बलवीर सिंह परमार ने बताया कि प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से केदारपुर कोठी शिवपुरी लिंक रोड पर स्थित आशाराम बापू आश्रम पर इसका लाभ पीड़ितजन ले सकते हैं।

नाली में गोबर बहाने पर वसूला जुर्माना

ग्वालियर। नगर निगम अमले ने आदतन कचरा फैलाने व डस्टबिन का उपयोग न करने वालों के खिलाफ सोमवार को अभियान चलाकर कार्रवाई की। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अनुज शर्मा ने बताया कि सोमवार को वार्ड 39 शिंदे मंडली मौहल्ले में दो डेयरी वालों पर नाली में गोबर बहाने पर एक-एक हजार रुपए का जुर्माना किया गया। साथ ही हिदायत दी गई कि अब अगर नाली में गोबर बहाया तो जुर्माने के साथ ही अन्य प्रभावी कार्यवाही की जाएगी।

साइबर फ्रॉड से बचने की महिलाओं की दी जानकारी

ग्वालियर। सायबर क्राईम जागरूकता कार्यक्रम के तहत सोमवार को सायबर सैल पुलिस द्वारा सिंधु सोशल कल्चरल सोसायटी से जुड़ी हुयी महिलाओं को साइबर फ्रॉड से बचाव के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में साइबर सेल प्रभारी एसआई रजनी सिंह रघुवंशी ने डिजिटल बैकिंग, केवाईसी, एटीएम, आनलाईन बैकिंग, नेट बैंकिंग एंव सोशल मीडिया आदि मे होने वाले सायबर क्राईम एंव उनसे बचाव की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही बताया कि अनजान मेसेज या लिंक को खोलने से हमे बचना चाहिये। कार्यक्रम में डॉ सीमा राणा विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लिये लेखा प्रशिक्षण सत्र एक अगस्त से

ग्वालियर। शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला में लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लिये शुरू होने जा रहे नए प्रशिक्षण सत्र के लिए 15 जुलाई तक आवेदन मांगे गए हैं। आवेदन पत्र का प्रारूप कार्यालयीन समय में न्यू राजस्व भवन चंद्रबदनी नाका में संचालित शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। प्राचार्य शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला से प्राप्त जानकारी के अनुसार लेखा प्रशिक्षण शाला में आगामी एक अगस्त से लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लिये प्रशिक्षण सत्र शुरू होगा। विस्तृत जानकारी के लिये लेखा प्रशिक्षण शाला में संपर्क किया जा सकता है।

शासन की कल्याणकारी योजनाओं को अधिकारी मूर्तरूप दें: प्रभारी कलेक्टर

प्रभारी कलेक्टर की अध्यक्षता में टीएल बैठक सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों को मिले। यह निर्देश प्रभारी कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले ने टीएल बैठक के दौरान अधिकारियों को दिये। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सीबी प्रसाद, समस्त एसडीएम, समस्त जिला अधिकारी, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के सीएमओ उपस्थित थे।

प्रभारी कलेक्टर डॉ. इच्छित गढ़पाले ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पीएम जन-मन योजना के तहत सहरिया परिवारों के जाति प्रमाण-पत्र बनाये जाने थे। जिनमें पहाडगढ़, कैलारस और सबलगढ़ में कुछ लोगों के आधार कार्ड, जाति प्रमाण-पत्रअभी भी बनने से लंबित है। उन्हें शीघ्र बनवायें। उन्होंने जौरा, सबलगढ़ के एसडीएम तथा जनपद सीईओ पहाडगढ़, कैलारस और सबलगढ़ को दिये।

इन तिथियों में लगेंगे पीएम जन-मन योजना के तहत कैम्प

कैम्पों में संबंधित अधिकारी रहेंगे मौजूद

प्रभारी कलेक्टर डॉ. इच्छित गढ़पाले ने कहा कि पीएम जन-मन योजना के तहत पहाड़गढ़ विकासखण्ड मुख्यालय पर बुधवार, गुरूवार को प्रातः 10 से सायं 5 बजे तक कैम्प लगाया जायेगा। कैम्पों मेंसंबंधित जनपद सीईओद्वाराट्रेक्टर या अन्य किसी वाहन से सुरक्षित हितग्राहियों को लाना होगा और उनके दस्तावेज तैयार कराने होंगे। उन कैम्पों में मैं स्वयं उपस्थित रहूंगा।

इसी प्रकार शुक्रवार को कैलारस ब्लॉक में पीएम जन-मन योजना के तहत कैम्प लगाया जायेगा। कैम्प में जिला मुख्यालय से भी टीम पहुंचकर आधार कार्ड, जाति प्रमाण-पत्र के अलावा अन्य कागजों पर कार्यवाही की जायेगी। प्रभारी कलेक्टर ने कहा कि शुक्रवार को अपर कलेक्टर कैम्प में मौजूद रहेंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये है कि पीएम जन-मन योजना के कैम्पों में पहुंचकर अपने-अपने विभाग के बिन्दुओं को देखे और लोगों को लाभान्वित करें।उन्होंने बैठक में वृक्षारोपण के संबंध में भी अधिकारियों से फीडबैक लिया। उन्होंने समस्त अधिकारियों को निर्देश दिये कि विधानसभा प्रश्नों के उत्तर समय-सीमा में दिया जाता है। इसलिये संबंधित अधिकारी विधानसभा प्रश्न का उत्तर समय-सीमा में भिजवाना सुनिश्चित करें।

संबंधित जनपद सीईओ, सीएमओ अपने-अपने क्षेत्रों के विधायकों के साथ बैठक करें

प्रभारी कलेक्टर डॉ. इच्छित गढ़पाले ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप जिले के समस्त जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के सीएमओ यह सुनिश्चित करें कि अपने-अपने क्षेत्र के संबंधित विधायकों के साथ बैठक करें। आगामी 5 वर्ष की प्लानिंग बनाकर प्रतिवेदन जिला कार्यालय को भेजे। ताकि उक्त प्लान सीएम हाउस भेजा जा सके।

कुरैठा का पटवारी विजय राठौर तत्काल प्रभाव से निलंबित

मुरैना। राजस्व महाअभियान जैसे महत्वपूर्ण कार्य में लक्ष्य के विपरीत काफी कम प्रगति होना, लगातार हल्के में अनुपस्थित रहकर कार्य न करने से काश्तकारों द्वारा शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। कृषकजनों के साथ गलत व्यवहार करने के आरोप में अनुविभागीय अधिकारी अम्बाह अरविन्द माहौर ने कुरैठा के पटवारी विजय राठौर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय तहसील कार्यालय पोरसा रहेगा। निलंबन काल में मूलभूत 13 के तहत जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त करने की पात्रता होगी।

बैठक से अनुपस्थित रहने पर पोरसा सीईओ को नोटिस

मुरैना। प्रभारी कलेक्टर डॉ. इच्छित गढ़पाले टीएल बैठक की समीक्षा कर रहे थे। समीक्षा के दौरान जनपद सीईओ पोरसा देवेन्द्र जैन अनुपस्थित पाये गये। जिस कारण उनके टीएल के बिन्दुओं पर चर्चा नहीं हो सकी। इस पर प्रभारी कलेक्टर ने सीईओ पोरसा देवेन्द्र जैन का तीन का वेतन काटने एवं कारण बताओ नोटिस देने के निर्देश दिये।

खराब गुड़ को गर्म कर केमिकल से बनाया जा रहा था ताजा गुड़

कार्रवाई के दौरान मिलावटखोर बोला- फांसी थोड़े ही हो जाएगी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। शहर की राठौर कॉलोनी में प्लॉट के अंदर 2 कमरों में चल रही नकली गुड़ बनाने की फैक्टरी पर फूड सेफ्टी विभाग की टीम ने सोमवार को छापामार कार्रवाई की। इस दौरान कमरे के अंदर पुराने व गंदे गुड़ में कैमिकल मिलाकर कड़ाहों में गर्म कर नया गुड़ तैयार किया जा रहा था। छापामार कार्रवाई के दौरान जैसे ही मीडियाकर्मी मौके पर पहुंचे तो गुड़ फैक्टरी संचालक बंगालीमल गोयल बोला- छापे से क्या हो जाएगा, फांसी थोड़े ही हो जाएगी।

मिली जानकारी के मुताबिक गुड़ कारोबारी बंगाली गोयल की मयंक ट्रेडर्स के नाम से फर्म है। इस फर्म के नाम से ही बंगाली गोयल गुड़ का कारोबार करता है। सोमवार को फूड सेफ्टी विभाग की टीम ने बंगाली गोयल की राठौर कॉलोनी स्थित इस गुड़ फैक्टरी पर छापा डाला तो वहां काफी तादाद में पुराना व गंदा गुड़ रखा हुआ था। वहीं दूसरे कमरे के बरामदे में भट्टियों पर कड़ाहे मे पुराने गुड़ मे कैमिकल मिलाकर उसे गर्म किया जा रहा था। गर्म होते ही गुड़ की गंदगी पूरी तरह साफ हो रही थी और उसे ठंडा कर फ्रे श गुड़ की तरह ठंडा करके बाजार में भेज दिया जाता था।

एडीएम को मिला इनपुट तब पहुंची फूड सेफ्टी विभाग की टीम

शहर में लंबे समय से गुड़ तैयार करने की इस फैक्टरी का संचालन फूड सेफ्टी विभाग की नाक के नीचे हो रहा था। सोमवार को एडीएम सीबी प्रसाद को फैक्टरी के संचालन का इनपुट मिला तो उन्होंने फूड सेफ्टी विभाग की टीम को मैसेज भेजा। इसके बाद हरकत में आई फूड सेफ्टी अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की।

इनका कहना है :-

गुड़ फैक्टरी का संचालन कर रहे बंगालीमल गोयल के ऊपर पूर्व में भी इसी तरह की कार्रवाई हो चुकी है। फिलहाल हमने गुड़ और अन्य सामग्री के सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिए है।

किरन सेंगर
फूड सेफ्टी ऑफिसर मुरैना

खाद्य विभाग ने जप्त किया राशन का चावल

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मुखबिर की सूचना के आधार पर जिला आपूर्ति नियंत्रक संजीव शर्मा ने पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास अम्बाह रोड पर मैक्स वाहन एमपी-06-जीए-2720 में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत वितरित होने वाला फोर्टिफाइड चावल पकड़ा। जिसमें वाहन चालक राजेश शर्मा व चावल मालिक लवकुश शर्मा के विरुद्ध एफआई.आर. दर्ज कराई गई है। मैक्स गाड़ी व उसमें लोड 14 क्विंटल चावल को जप्त किया गया तथा अग्रिम कार्यवाही के लिये प्रतिवेदन कलेक्टर को प्रेषित किया गया।

दोपहर में गर्मी, शाम को आई आंधी, जौरा में हुई तेज बारिश

प्री-मानसून एक्टिविटी से अंचल में लुढ़का पारा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे जिलेवासियों के लिए सोमवार का दिन अच्छा रहा। मुरैना शहर में दोपहर तक तेज धूप खिली, जिससे लोग गर्मी से बेहाल हो गए। हालांकि शाम 5 बजे से तेज हवा के झोकों से गर्मी से जूझ रहे लोगों को थोड़ी राहत मिली। रामपुरकलां और पहाड़गढ़ क्षेत्र में भी तेज आंधी से शाम को पारा 4 डिग्री लुढ़क गया, जो दोपहर में 44 डिग्री तक पहुंच गया था। वहीं जौरा कस्बे में आधा घंटे की तेज बारिश से मुख्य बाजार सहित गली-मोहल्लों में पानी भर गया।

एक जून से बारिश का सीजन शुरू हो जाता है। इस बार अभी तक अंचल में प्री-मानसून की बारिश ही हुई है। मानसून ने पूरे प्रदेश में दस्तक दे दी है। लेकिन अभी तक मुरैना शहर में मानसून की आमद नहीं हो सकी है। सोमवार को दोपहर में तेज धूप खिलने से लोग गर्मी से बेहाल हो गए ओर दोपहर को दो बजे अधिकतम तापमान 45 डिग्री तक पहुंच गया। लेकिन शाम 4 बजे से मौसम ने पलटी खाई और बादलों की लुका-छिपी के बीच आंधी चलने लगी। हालांकि लेकिन देर शाम तक बदरा नहीं बरसे। ठंडी हवाओं के चलने से तीन घंटे में तापमान शाम पांच बजे लुढ़ककर 45 डिग्री से 39 डिग्री पर आ गया।

अंबाह, सुमावली में बूंदाबांदी, रामपुरकलां में चली आंधी

जिला मुख्यालय के अलावा अंबाह कस्बे में शाम 5 बजे से ठंडी हवा के साथ हल्की बूंदाबांदी हुई। इसी प्रकार सुमावली क्षेत्र में भी शाम 6 बजे से ठंडी हवा के साथ रिमझिम फुहारें गिरीं। रामपुरकलां में भी शाम के वक्त तेज हवा के झोकों से मौसम सुहाना हो गया।

जौरा में 45 मिनट तेज बारिश से सड़कों पर भरा पानी

जौरा क्षेत्र में शाम 4.30 बजे के करीब ठंडी हवा के साथ ही बारिश शुरू हो गई। तकरीबन 45 मिनट की बारिश से जौरा कस्बे के गली-मोहल्ले तो छोड़िए मुख्य बाजार में भी दो-दो फीट पानी भर गया। झमाझम बारिश से पुरानी सब्जी मंडी रोड, सुभाष रोड, तहसील चौराहा, पुराना थाना, मई वाला कुआं आदि जगह नाले-नालियां ओवरफ्लो होने की वजह से पानी भर गया, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

विभिन्न योजनाओं पर सीईओ जिला पंचायत ने बैठक ली

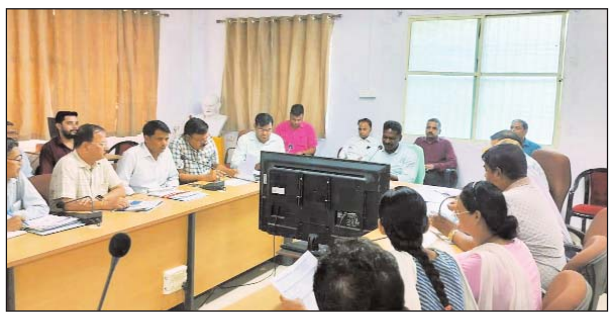

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। जिला पंचायत सभागार में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले ने जिला पंचायत की समस्त शाखाओ की बैठक ली। जिसमें सीएम हेल्पलाइन, लोकायुक्त प्रकरण, न्यायालय से संबंधित प्रकरण, जनसुनवाई, टीएल पत्रक आदि की समीक्षा की।

सीईओ जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले ने कहा कि मनरेगा,पंचायत की अधिक शिकायतें लंबित है, इनके निराकरण के लिये सबंधित शाखा प्रभारी प्रतिवेदन व कार्यवाही समय-सीमा में निराकरण करायें। बैठक में समस्त जनपद सीईओ एवं मैदानी कर्मचारी उपस्थित थे।

बरवाई गांव में जन्में आचार्य विद्याभूषण सन्मतिसागर महाराज के नाम से दिल्ली में दिया गया अवार्ड

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। सन्मति फाउंडेशन संस्था द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जैन समाज के प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को वरवाई गांव में जन्में आचार्य विद्याभूषण सन्मति सागर महाराज के नाम से अवार्ड वितरित किए गए।

सन्मति फाउंडेशन के वार्षिकोत्सव के अवसर पर आर्चिड ग्रैंड दिल्ली में भव्य समारोह के दौरान मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद नवीन जैन आगरा एवं इंजीनियर पवन जैन ने अनन्या जैन, पलक जैन, अनुष्का जैन, रिद्धी जैन, निष्का जैन, अंकित जैन को आचार्य श्री सन्मति सागर अवार्ड के तहत स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र, धनराशि का चैक आदि देकर सम्मानित किया।

सन्मति फाउंडेसन के अध्यक्ष अनिलकुमार जैन एवं महामंत्री नबीनकुमार जैन ने जानकारी देते हुये बताया कि छात्र छात्राओं को अवार्ड की राशि के चैक राजेंद्र कुमार जैन नोएडा एवं अनिलकुमार जैन नोएडा द्वारा प्रदान किए गए । समारोह में दीप प्रज्वलन इंजीनियर भूपेंद्र जैन, अजीत जैन, सीए विमल जैन, सुनील जैन ने व जिनेंद्र प्रभु के चित्र का अनावरण अजय जैन, सुदीप जैन गुरुग्राम, सुरेश जैन साउथ एक्सटेंशन, आचार्यश्री के चित्र का अनावरण सुरेश जैन द्वारिका, राजीव जैन जनकपुरी, दिवस जैन, मनोज जैन करोलबाग, जिनवाणी स्थापना मुन्नी जैन मधुवन, शशी कमलेश जैन नायक गुरुग्राम, जहान्वी जैन खेलगांव द्वारा की गई।

कार्यक्रम के शुभारंभ में सन्मति फाउंडेसन की महिला ट्रस्टियों द्वारा अथिति स्वागत गान प्रस्तुत किया गया बालिकाओं द्वारा भक्तिमय नृत्य किए गए । कार्यक्रम के मध्य कोटा से पधारे सीए अजय जैन द्वारा अपनी सुमधुर आवाज में प्रस्तुत किए गए गीतों पर सभी लोग मंत्र मुग्ध होकर झूम उठे । संस्था के महामंत्री नवीन जैन ने सन्मति फाउंडेसन की वार्षिक रिपोर्ट पेश की ।

सन्मति फाउंडेसन की ओर से मुख्य अथिति राज्यसभा सांसद नवीन जैन आगरा, इंजीनियर पवन जैन पीएस शिवपुरी, अथिति मनोज जैन नायक मुरैना, संस्था के शिरोमणी संरक्षक महेंद्र जैन मधुवन, अशोक जैन का प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, शॉल, श्रीफल आदि प्रदान कर सम्मान किया गया।

समारोह में मंच संचालन श्रीमती नीरू जैन ने किया । कार्यक्रम में अतिथि मनोज जैन नायक ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम प्रतिभाओं के लिए उत्साह वर्धन करने वाले होते हैं जिनका आवेदन लगातार होते रहना चाहिए।

मंदिरों के पुजारियों को नहीं मिल रहा मानदेय

भगवान के भोग लगाने के लिए भी परेशान हैं पुजारी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/पोरसा। शासन की ओर से मंदिर के संचालन के लिए मंदिर के पुजारियों को मानदेय दिया जाता है। सितंबर 2023 के बाद कई मंदिरों के पुजारियों को मानदेय प्राप्त नहीं हुआ है। ग्राम धनेटा के पुजारी रामकिशोर तिवारी के द्वारा बताया कि मानदेय नहीं मिलने से भगवान का भोग लगाने के लिए भी परेशानी हो रही है, क्योंकि ग्रामीणजन मंदिर में कोई चढ़ौता नहीं चढ़ाते, इसलिए मंदिर संचालन करने में खासी परेशानी उठानी पड़ रही है। इस संदर्भ में हमारे प्रतिनिधि ने तहसील कार्यालय पोरसा में पदस्थ नजिर नरेंद्र खरे से जब बात की गई तो मालूम हुआ कि ब्लॉक पोरसा के अंदर 12 पुजारी मानदेय प्राप्त कर रहे हैं, इनमें से जो पुजारी 62 वर्ष से ऊपर के हैं इनका मानदेय सिस्टम नहीं ले रहा है, इसलिए 6 पुजारी को मानदेय नहीं भिजवाया जा पा रहा है। इसके लिए जिलाधीश मुरैना को पत्र से अवगत कराया जा चुका है। हम प्रयास कर रहे हैं सिस्टम यदि 62 वर्ष से ऊपर वाले पुजारियों का मानदेय सिस्टम ले लेगा तब शासन के आदेश पर डलवा देंगे।

मध्य प्रदेश स्टेट रेफरी परीक्षा उत्तीर्ण कर अम्बाह के चार शिक्षक बने राज्य स्तरीय रैफरी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। कई वर्षों के बाद हुई मध्य प्रदेश स्टेट रेफरी परीक्षा के परिणाम घोषित होते ही अम्बाह पोरसा अंचल के चार शिक्षकों ने परीक्षा उत्तीर्ण कर राज्य स्तरीय रेफरी होने का गौरव प्राप्त किया है। परीक्षा में उत्तीर्ण खेल शिक्षक जनक सिंह कपसिया, विश्वनाथ गुर्जर, सोनम तोमर और दयाल सिंह गुर्जर ने यह सफलता प्राप्त की है। सफल हुए रैफरी शिक्षकों को जिला वॉलीबाल संघ के अध्यक्ष मोहर सिंह तोमर, सचिव उपदेश तोमर और ब्लॉक क्रीड़ा अधिकारी हरेंद्र सिंह तोमर, बीइओ श्रीनिवास गुर्जर, अरविंद मावई, सीएम राइज के प्राचार्य रामबीर शर्मा, कोक सिंह सिकरवार, अनिल शर्मा, शैलेंद्र दंडोतिया, राजवीर गुर्जर, दुष्यंत सिंह तोमर, बालकृष्ण शर्मा और सुधीर आचार्य ने बधाई दी है।

उपजेल अम्बाह में कैदियों को योग सिखाकर पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। आचार्य आनंद क्लब अम्बाह द्वारा उप जेल में तीन दिवसीय योग शिविर का आयोजन कर कैदियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। जेल में कैदियों को पांच-पांच पौधे लगाने का संकल्प दिलाया गया। कैदियों को खाली जगह तलाश कर पौधा लगाने को कहा गया। पौधे लगाने के बाद कैदियों ने उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। उप जेल के जेलर रफीक हुसैन खान ने पौधों को ऑक्सीजन फैक्ट्री के नाम से संबोधित करने का आह्वान किया। रफीक हुसैन ने बताया कि जेल में नीम, पीपल व बरगद के पौधे लगाए। ये तीनों ही पौधे ऑक्सीजन का बड़ी मात्रा में उत्सर्जन करते हैं। इनके आसपास रहने वालों को बीमारी कम होती हैं। ऐसे में सभी को अपने गांवों में त्रिवेणी लगानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जेल से छूटने के बाद सभी को अपने गांवों में पांच-पांच पौधे लगाने होंगे। इसके साथ ही जेल में भी खाली स्थान देखकर ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाएं। कैदी पौधे लगाकर उसकी देखभाल भी करेंगे। इससे जेल में आने वाले अन्य कैदी इससे प्रेरित होंगे। यही कार्य उनको जेल से छूटने के बाद करना होगा। इस मौके पर अरविंद मावई, दुष्यंत तोमर, अंकित मिश्रा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

ऑल इण्डिया गुर्जर विकास संगठन आज देगा ज्ञापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। ऑल इण्डिया गुर्जर विकास संगठन के जिलाध्यक्ष तहसीलदार सिंह बैसला एड. ने बताया कि विगत दिवस पुलिस प्रताड़ना से तंग आकर जखौदा खिरकाई के 19 वर्षीय युवक दिलीप सिंह पुत्र पंजाब सिंह ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस विषय को लेकर बानमोर थाना एवं उ.प्र. थाना जालौन की लापरवाही स्पष्ट नज़र आती है। युवक ने प्रताड़ना से व्यथित होकर आत्महत्या कर ली। इसकी जाँच एवं पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता की मांग को लेकर समाज का प्रतिनिधि मण्डल आज 25 जून को दोपहर 12 बजे मुरैना जिलाधीश कार्यालय पर परिजनों के साथ संगठन के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह हर्षाना (रान्सू) के नेतृत्व में ज्ञापन देगा। उन्होंने सभी स्वजातीय बंधुओं से उपस्थित रहने की अपील की है।

रानी दुर्गावती ने मातृभूमि की रक्षा के लिए किया सर्वस्व न्योछावर: नरेश सिंह

बलिदान दिवस पर स्वतंत्रता संग्राम में देशी रियासतों की भूमिका पर व्याख्यानमाला आयोजित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। वीरांगना महारानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर शासकीय हाई स्कूल गलेथा में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर स्वाधीनता के संग्राम में देशी रियासतों की भूमिका विषय पर व्याख्यानमाला का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की नायिका अमर बलिदानी रानी दुर्गावती को बड़ी संख्या में शिक्षकों, छात्रों व प्रबुद्धजनों, मप्र शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। उनके बलिदान को याद करते हुए मप्र शिक्षक संघ के संभागीय अध्यक्ष डॉ. नरेश सिंह सिकरवार ने कहा कि वीरांगना दुर्गावती ने अपने बलिदान से स्वाधीनता संग्राम के इतिहास पर अमिट छाप छोड़ी है। अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए उन्होंने जिस रण कौशल, धैर्य, निर्भीकता तथा शौर्य का प्रदर्शन किया उसकी मिसाल नहीं मिलती है। रानी दुर्गावती का नाम भारत की महानतम वीरांगनाओं की सबसे अग्रिम पंक्ति में आता है। मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। रानी दुर्गावती का शौर्य और उनका बलिदान सभी भारतीयों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। डॉ. सिकरवार ने कहा कि देश की स्वाधीनता में देशी रियासतों ने अहम भूमिका निभाई। इनमें मप्र के तत्कालीन गोंडवाना राज्य की महारानी दुर्गावती का नाम प्रमुख है। रानी दुर्गावती का जन्म गोंडवाना रियासत में 1524 को हुआ। उन्होंने आक्रांताओं के जुल्म के आगे झुकने से इंकार कर स्वतंत्रता और अस्मिता के लिए युद्ध भूमि को चुना और अनेक बार शत्रुओं को पराजित करते हुए 1564 में बलिदान दे दिया।

मुगल साम्राज्य की सेना से युद्ध किया और रणभूमि में वीरगति को प्राप्त हुईं। रानी दुर्गावती अपनी साहस और दृढ़ता के लिये उल्लेखनीय थी। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने स्वाधीनता संग्राम सेनानी, शहीदों का सम्मान करने व पौधारोपण का संकल्प लिया। इस अवसर विमलेश यादव, रामबरन शर्मा, सतंजय मिश्रा, ज्योति, रश्मि अग्निहोत्री, गिरीश शर्मा, कुबेर खरे, रवि यादव, विनोद सिकरवार, डॉ. हरेन्द्र तोमर, विनोद शर्मा, रघुराज परमार, रवि शर्मा, भारत सिंह, मनमोहन सिंह, शिवराज जालौन, रामलखन आदि शामिल रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम मुरैना (म.प्र.)

क्रमांक/राजस्व/2024 — **//नामांतरण विज्ञप्ति (उज्जदारी)//** — मुरैना, दिनांकः- 24.06.2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि म.प्र. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 धारा 167 के तहत भूमि/भवन स्वामियों द्वारा सम्पत्ति कर पंजी में नामांतरण हेतु आवेदन विधिवत शुल्क जमा कर इस कार्यालय में निम्नानुसार प्रस्तुत किये गये हैं:-

क्र.	भूमि/भवन एवं वार्ड क्रमांक	भूमि/भवन क्रेता/ अन्तरणगृहीता स्वामी का नाम	भूमि/भवन विक्रेता/ अन्तरणकर्ता	नामांतरण /अन्तरण का आधार एवं क्षेत्रफल
1	भ.क्र. 460/35 नया वार्ड 41	श्रीमती सुनीता चौहान पत्नी श्यामपाल सिंह चौहान, निवासी- गोपाल भगत वाली गली मुरैना	(रमुजी पुत्र हब्बू जाटव मूल रजिस्टर में दर्ज नाम) के बजाय गेंदालाल के बजाय राधेश्याम बांदिल के बजाय वारिसान महेश बांदिल, संजय बांदिल पुत्रगण स्व. राधेश्याम बांदिल के बजाय श्रीमती गुड्डन पत्नी ऊदल सिंह द्वारा मुख्त्यार नियुक्त वीरेन्द्र उर्फ बंटी तोमर पुत्र अमर सिंह	विक्रय पत्र, पटवारी खसरा के आधार पर
2	भ.क्र. 131/13 नया वार्ड 21	आलोक कुमार गुप्ता पुत्र श्यामलाल गुप्ता निवासी- पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी मुरैना	कमलेश किशोर गोयल, गिर्राज किशोर गोयल पुत्रगण रामेश्वरदयाल गोयल	विक्रय पत्र के आधार पर

अतः उपरोक्त भूमि/भवन पर नामांतरण किए जाने में किसी भी खास/परिवारीजन/आम व्यक्ति अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के अंदर 30 दिवस इस कार्यालय में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा नामांतरण प्रकरण में कार्यवाही कर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। सूचित हों।

वास्ते सहायक आयुक्त
नगर पालिक निगम, मुरैना

वैश्य समाज ने वैश्य रत्न से किया विभूतियों का सम्मान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
ग्वालियर। वैश्य समाज की युवा ईकाई द्वारा म.प्र. वैश्य महा सम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष उमाशंकर गुप्ता (पूर्व मंत्री म.प्र. सरकार) के जन्म दिवस के अवसर पर 24 जून को एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें समाज की उन विभूतियों को वैश्य रत्न सम्मान से नवाजा गया, जिन्होंने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के द्वारा समाज एवं शहर का नाम रोशन किया है। साथ ही समाज के मैधावी छात्र-छात्राओं जिन्होंने विभिन्न परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त किये हैं, उनको भी प्रतिभा सम्मान से नवाजा गया। इस सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में आईपीएस माधव अग्रवाल, एडिशनल कलेक्टर संजीव जैन, सैवड़ा के विधायक प्रदीप अग्रवाल एवं शिवपुरी के विधायक देवेन्द्र जैन उपस्थित थे। युवा ईकाई के अध्यक्ष विवेक गुप्ता एवं वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने संवादाताओं से वार्तालाप के दौरान बताया कि वैश्य समाज के इतिहास में दर्ज महान अप्रतिम विभूतियों जैसे भामाशाह और राजा टोडरमल आदि ने अपने उत्कृष्ट कार्यो से अपना नाम इतिहास के पन्नों पर दर्ज कर लिया है और आज वो समाज के पथप्रदर्शक बने हुये हैं। वैश्य समाज ऐसे ही महान विभूतियों से प्रेरणा लेकर सदैव ही समाज के उत्थान एवं उसकी प्रगति के साथ-साथ अपने शहर और प्रदेश की उन्नती के लिये भी अपना-अपना अमूल्य योगदान देता आया है। जो हम सभी समाज के बंधुओं खासकर युवाओं के लिये प्रेरणा के श्रोत रहे हैं। ऐसे ही समाज के कुछ ध्रुव तारे के समान चमकने वाले वैश्य माधव अग्रवाल, नीतू माथुर (आईएएस), वैश्य संजीव जैन (एडिशनल कलेक्टर), वैश्य राजीव गुप्ता (एमपीईबी हेड) एवं वैश्य दामोदर गुप्ता (सीएसपी) को वैश्य रत्न सम्मान से नवाजा गया। इनके प्रति समाज अपनी कृतज्ञता प्रकट करता है। इसी प्रकार मैधावी छात्र जिन्होंने दसवीं, बारहवीं, आईआईटी, जेईई अथवा ब्लड डोनेशन में कामयाबी हासिल की है उसके लिये उन्हें प्रतिभा सम्मान से नवाजा गया।

कार्यक्रम के अंत में वैश्य समाज के विशिष्टजनों ने अपने विचार प्रकट किये एवं सम्मानित होने वाले मेधावी छात्रों द्वारा भी संक्षिप्त में अपने विचार व्यक्त किये गये। इसके साथ ही अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किये गये। आभार प्रदर्शन वैश्य रजनीश नीखरा के द्वारा किया गया।

अभ्यर्थियों को 4 जुलाई तक देना होगा चुनावी खर्चे का हिसाब-किताब

ग्वालियर। ग्वालियर संसदीय क्षेत्र से जिन अभ्यर्थियों ने चुनाव लड़ा था, उन्हें अपना निर्वाचन व्यय लेखा का विस्तृत विवरण जिला निर्वाचन कार्यालय में प्रस्तुत करना होगा। चुनाव परिणाम घोषित होने 30 दिन के भीतर 4 जुलाई तक यह विवरण दाखिल करना होगा।

संभागीय संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा सह नोडल अधिकारी व्यय लेखा के अनुसार अभ्यर्थियों को निर्वाचन व्यय लेखा दाखिल करने संबंधी बारीकियाँ समझाने के लिये 27 जून को कलेक्ट्रेट के सभागार में प्रातः 11 बजे एक प्रशिक्षण कार्यक्रम रखा गया है। अभ्यर्थीगण स्वयं अथवा अपने निर्वाचन अभिकर्ता को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भेजकर आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसी तरह अभ्यर्थियों के निर्वाचन व्यय के संबंध में 30 जून को दोपहर 2 बजे कलेक्ट्रेट के सभागार में लेखा समाधान बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में उपस्थित रहने के लिये भी सभी अभ्यर्थियों एवं उनके अभिकर्ताओं को सूचित किया गया है।

शोक जताने जिलाध्यक्ष डॉ. योगेशपाल गुप्ता के निवास पर पहुंचे मंत्री ऐंदल सिंह कंषाना

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। मप्र शासन के कृषि मंत्री ऐंदल सिंह कंषाना सोमवार को भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. योगेशपाल गुप्ता की माताजी श्रीमती ज्ञानप्रभा गुप्ता के आकस्मिक निधन पर शोक संवेदनाएं व्यक्त करने उनके घर पहुंचें।
मंत्री श्री कंषाना ने जिलाध्यक्ष डॉ. गुप्ता की माताजी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और ईश्वर से उनकी आत्मशांति के लिए प्रार्थना की। श्री कंषाना ने शोक संतृप्त परिवार को ढांढ़स बंधाते हुए अपनी संवेदनाएं जाहिर की। इस मौके पर उनके द्वारा जनपद पंचायत जौरा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह सिकरवार सहित भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

टेंहटरा-कांसपुरा गांव में शोक संतृप्त परिवारों से मिले कंषाना

मुरैना प्रवास के दौरान सोमवार को कृषि मंत्री ऐंदल सिंह कंषाना शाम 5 बजे सुमावली क्षेत्र के टेंहटा गांव में राजकुमार मुदगल एवं साढ़े पांच बजे कांसपुरा गांव में शोक संतृप्त पं. सतीश शर्मा के घर पहुंचें। उन्होंने दिवंगत आत्माओं के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और शोकाकुल परिजनों को ढांढ़स बंधाया।

मुरैना में देवी अहिल्या बाई होल्कर जन्म त्रिशताब्दी मनाई जाएगी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। मुरैना में 26 जून को देवी अहिल्याबाई होल्कर जन्म त्रिशताब्दी वर्ष समारोह का उद्घाटन किया जा रहा है, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. प्रतिभा चतुर्वेदी जो कि अखिल भारतीय महिला कार्य प्रमुख स्वावलंबी भारत एवं पूर्व किशोर न्यायालय बोर्ड की सदस्य हैं। इस कार्यक्रम में विशेष शक्ति के रूप में नगर निगम मुरैना की महापौर शारदा सोलंकी रहेगी एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला आयोजन समिति के अध्यक्ष अतुल माहेश्वरी करेंगे। इस कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए आज आयोजन समिति ने बताया कि इस शताब्दी वर्ष पर देवी अहिल्याबाई के जीवन और उनके द्वारा किए गए सामाजिक और धार्मिक कार्यों को लेकर समाज में जागरूकता कार्यक्रम किए जाएंगे। जिसका उद्देश्य है कि समाज में देवी अहिल्याबाई के बारे में लोगों को जानकारी मिले। उन्होंने जिस तरीके से सामाजिक, धार्मिक और कई महत्वपूर्ण कार्य किया। जिनके बारे में समाज भूलता जा रहा है, ऐसे में पूरे देश में इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें मुरैना जिले की आयोजन समिति ने 26 जून को उद्घाटन कार्यक्रम रखा है। समिति में अध्यक्ष अतुल माहेश्वरी, सचिव योगेंद्र मावई, उपाध्यक्ष पूनम डंडोतिया, कोषाध्यक्ष अभिषेक गांगिल, सदस्य श्याम मोहन डंडोतिया, विजय तिवारी मौजूद रहे।

51 सदस्यों का दल अमरनाथ यात्रा पर रवाना

ग्वालियर। श्री बाबा बर्फानी समिति संरक्षक महेंद्र भदकारिया, अध्यक्ष लोकेश शर्मा, उपाध्यक्ष सुनील बिरला, श्याम लहारिया, सुनील शिवहरे के नेतृत्व में 51 सदस्यों का एक दल श्री अमरनाथ यात्रा बाबा बर्फानी दर्शनों को रवाना हुआ है। सचिव पन्नालाल गौड़ ने बताया कि यह दल पहले भंडारे पर सजावट कर बाबा का भव्य दरबार सजायेगा। उसके बाद भंडारे का शुभारंभ कराकर पहलगाम के मार्ग से अपनी यात्रा 30 जून को शुरू करेगा। बाबा के दर्शनों के बाद बालटाल में उतरकर फिर पांच दिन भंडारे पर यात्रियों की सेवा में तैयार रहेगा। भंडारे का शुभारंभ 28 जून को किया जायेगा।

विधायक डॉ. सिकरवार ने किया सामुदायिक भवन निर्माण के लिये भूमिपूजन

ग्वालियर। 16 ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वार्ड क्रमांक 28 के डॉ. अम्बेडकर नगर कुम्हरपुरा में सामुदायिक भवन निर्माण के लिये विधायक डॉ. सतीश सिकरवार एवं क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती गायत्री सुधीर मण्डेलिया ने भूमिपूजन किया। इस सामुदायिक भवन का निर्माण लगभग 9 लाख रूपये की लागत से किया जा रहा है।

इस अवसर पर विधायक डॉ. सिकरवार ने कहा कि वर्षों से क्षेत्र की जनता द्वारा सामुदायिक भवन निर्माण की मांग की जा रही है, सामुदायिक भवन निर्माण से क्षेत्रवासियों को पारिवारिक कार्यक्रम करने हेतु सुविधा प्राप्त होगी। भूमिपूजन कार्यक्रम के बाद विधायक डॉ. सिकरवार ने क्षेत्र का भ्रमण किया, जनता की समस्याओं को सुना और तुरन्त संबधित अधिकारियों से बात कर समस्याओं का निराकरण कराया। भूमिपूजन कार्यक्रम में डी.आर. पवैया, सुधीर मण्डेलिया, संतोष वर्मा, रमेश झा, पंचम भदौरिया, शीलेश वर्मा, आबिद नकबी, प्रीति शर्मा एवं क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।

तानसेन समारोह के शताब्दी वर्ष को भव्यता देने कलेक्टर ने ली बैठक

- समारोह से पहले चलेगी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला, सांस्कृतिक कैलेण्डर होगा तैयार

ग्वालियर। शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में देश और दुनिया के सर्वाधिक प्रतिष्ठित महोत्सव ÷तानसेन समारोह÷ का इस साल शताब्दी वर्ष है। संगीतधानी ग्वालियर में सौवां तानसेन समारोह भव्यता के साथ आयोजित करने के लिये शहर में पूर्व से ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला चलाई जायेगी। इस सिलसिले में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने विभागीय अधिकारियों की बैठक ली और कलाकारों, कला रसिकों एवं शासकीय व अशासकीय संस्थाओं के सहयोग से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का कैलेण्डर तैयार करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा कि यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन) द्वारा संगीतधानी ग्वालियर को म्यूजिक सिटी घोषित किया गया है। इसलिए म्यूजिक सिटी की भावना के अनुरूप सांस्कृतिक कार्यक्रमों के कैलेण्डर को अंतिम रूप दें। साथ ही इसे तैयार करने में संगीत एवं कला के क्षेत्र में काम कर रहीं संस्थाओं, कलाकारों, कला मर्मज्ञों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन से जुड़ी संस्थाओं की राय ली जाए। इसके लिए उन्होंने बैठक बुलाने के लिये भी कहा। उन्होंने कहा कि तानसेन समारोह को भव्यता प्रदान करने के लिए सांस्कृतिक कैलेण्डर के आधार पर शहर में हर माह बैजाताल, महाराज बाड़ा स्थित टाउन हॉल, कलावीथिका इत्यादि स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित करें। इन कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाए, जिससे कलारसिक इन कार्यक्रमों का आनंद उठा सकें। साथ ही सौवां तानसेन समारोह के प्रति शहर में सकारात्मक वातावरण बन सके और बड़ी संख्या में जिलेवासी इस आयोजन से जुड़ें।

उल्लेखनीय है कि म्यूजिक सिटी की भावना के अनुरूप ग्वालियर शहर को सजाया सँवारा जा रहा है। इस कड़ी में राजा मानसिंह तोमर तिराहा के समीप से गाँधी रोड़ पर भारतीय शास्त्रीय संगीत के वाद्य यंत्रों पर केन्द्रित आकर्षक गैलरी स्थापित की जा रही है। इसी तरह मुरैना रोड़ पर स्थित पुरानी छावनी तिराहे को संगीत सम्राट तानसेन की थीम पर तैयार किया गया है। बैजाताल पर हर हफ्ते सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन हो रहा है। साथ ही शहर में अन्य प्रमुख मार्गों की दीवारों को मनमोहक चित्रकला (पेंटिंग) से सजाया सँवारा जा रहा है।

विश्व भरण-पोषण कर जोई, जाकर नाम भरत यश होई जाके सुमिरन ते रिपु नाशा, नाम शत्रुघ्न वेदप्रकाशा

गुप्ता वैंकट हॉल में चल रही श्रीमद् भागवत कथा का चतुर्थ दिवस

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। माधौपुरा की पुलिया के पास स्थित गुप्ता वैंकट हॉल में इन दिनों श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। यहां पर कथा का वाचन डॉ. जगन्नाथ दीक्षित ठाकुरजी महाराज कर रहे हैं। कथा की परीक्षत श्रीमती सूरज देवी- रामजीलाल सविता हैं। आयोजक परिवार के सत्यप्रकाश सविता ईओडब्ल्यू म.प्र.पु. ने सभी भक्तों से कथा श्रवण कर धर्मलाभ लेने की अपील की है। आज कथा के दौरान महापौर श्रीमती शारदा सोलंकी अपने सुपुत्र सौरभ सोलंकी के साथ कथा श्रवण करने पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने महाराजश्री से आशीर्वाद भी लिया।

कथा के दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तों को संबोधित करते हुए डॉ. जगन्नाथ दीक्षित ठाकुरजी महाराज ने भगवान श्रीराम के जन्म की कथा सुनाते हुए कहा कि काफी प्रयासों के बाद दशरथ जी के यहां प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण, भरत शत्रुघ्न का जन्म होता है। चारों बालकों का जन्म होने के बाद अयोध्या धाम में खुशियों का वातावरण है। मिष्ठान वितरित किया जा रहा है, प्रत्येक स्थान पर बधाईयां गाईं जा रहीं हैं। इस दृश्य को देखकर आकाश से देवगण भी प्रफुल्लित होकर पुष्प वर्षा कर रहे हैं। एक दिन चारों बालकों का नामकरण करने के लिए दशरथ जी गुरू वशिष्ठ को महल में बुलाते हैं। वशिष्ठ जी महल में आकर भगवान का नाम श्रीराम रखते हैं। इनके अलावा अन्य पुत्रों के नाम, लक्ष्मण, भरत व शत्रुघ्न रखे जाते हैं। नामकरण करने के बाद गुरू वशिष्ठ इन नामों की महिमा भी दशरथ जी को बताते हैं। वह कहते हैं कि राम का नाम मन को आनंदित करने वाला है। लक्ष्मण का अर्थ है जिन का लक्ष्य राम के चरणों पर हो। भरत जी समूचे विश्व का भरण-पोषण करने वाले हैं व शत्रुघ्न जी का नाम दुश्मनों का संहार करने वाला है। विश्वामित्र जी को जब यह बात मालूम पड़ती है कि रामजी बड़े हो गए हैं तो वे दशरथ जी के यहां जाकर राम व लक्ष्मण को राक्षसों का वध करने के लिए लेकर आ जाते हैं। भगवान राम विश्वामित्र जी के साथ आकर अनेक राक्षसों का वध करते हैं व मारीच को सौ योजन दूर फेंक देते हैं। कथावाचक डॉ. जगन्नाथ दीक्षित ठाकुरजी ने कहा कि इसी समय राजा जनक घोषणा करते हैं कि जो भी राजकुमार अथवा राजा मेरे यहां रखे हुए धनुष को तोड़ेगा मैं अपनी पुत्री सीता का विवाह उसके साथ कर दूंगा। जब यह बात विश्वामित्र जी को ज्ञात हुई तो वे राम-लक्ष्मण जी को लेकर जनक जी के महल में पहुंच जाते हैं और कुछ घटनाक्रम के बाद भगवान श्रीराम धनुष तोड़ देते हैं। धनुष टूटते ही चारों ओर खुशी का वातावरण छा जाता है और सीताजी भगवान श्रीराम के गले में वरमाला डाल देती हैं। बाद में भरत, शत्रुघ्न व लक्ष्मण जी का विवाह होता है और चारों पुत्र अपनी पत्नियों को लेकर अयोध्यापुरी आ जाते हैं। इस दौरान राजा दशरथ विचार करते हैं कि क्यों न राम को राजा बना दिया जाए। इस बात पर महल के अन्य लोगों से चर्चा भी हो जाती है और सभी लोग सहमत भी हो जाते हैं। लेकिन कैकई के दो वरदानों के कारण भगवान राम को 14 वर्ष का वनवास हो जाता है और वे वन को चले जाते हैं। राम के वियोग में दशरथ जी का प्राणांत हो जाता है।

जरूरी सेवाओं में लापरवाही बरती तो होगी कार्रवाई: निगमायुक्त

ग्वालियर। जरूरी सेवाओं के प्रति कोई भी लापरवाही न बरती जाए तथा आवश्यक फाइलें हाथों हाथ करायें एवं किसी भी कार्य में लापरवाही की तो कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह बात निगम आयुक्त हर्ष सिंह ने सीएम हेल्प लाइन की बैठक में कही। बैठक में उन्होंने वर्षा से पूर्व नाला नालों की साफ सफई, पौधारोपण, जल भराव, अवैध होर्डिंग सहित अन्य सभी जरूरी सेवाओं की समीक्षा की तथा सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जरूरी सेवाओं के प्रति कोई भी लापरवाही न बरती जाए।

सोमवार को आयोजित बैठक में निगम आयुक्त सिंह ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए अन अटेंडेंट एवं जीरो प्रतिशत प्रगति वाले प्रकरणों में सभी संबंधित अधिकारियों का वेतन काटने एवं उनकी लापरवाही को सीआर में दर्ज करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने संपत्ति कर वसूली की समीक्षा की तथा जो क्षेत्राधिकारी सम्पत्तिकर वसूलने में पिछड रहे हैं, उन पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में निगमायुक्त ने बारिश में नाले नालों की साफ सफई की विधानसभा वार जानकारी ली तथा हर हाल में नालों की साफसफई पूर्ण करने के निर्देश सभी अधिकारियों को दिए। इसके साथ ही यह भी निर्देश दिए कि कहीं जलभराव न हो और जहां भी जलभराव पूर्व में होता है उन स्थानों पर सभी आवश्यक व्यवस्थायें पूर्ण करें तथा सुनिश्चित करें कि जलभराव की स्थिति न बने। बैठक में निगमायुक्त ने भयप्रद भवनों पर की जा रही कार्यवाही की जानकारी ली तथा निर्देश दिए कि अपने संबंधित क्षेत्र के एसडीएम के साथ समन्वय बनाकर आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करें। बैठक में पार्कों के संधारण को लेकर चर्चा की तथा पौधारोपण के विस्तृत प्लान पर चर्चा कर सभी क्षेत्रों में जोनवाइज पौधारोपण के टारगेट निर्धारित करते हुए शहर में कम से कम 10 लाख पौधों का रोपण करना सुनिश्चित करें। वहीं अवैध होर्डिंग पर चर्चा करते हुए होर्डिंग प्रभारी को निर्देश दिए कि सात दिवस के अंदर सभी अवैध होर्डिंग हटा दें अन्यथा सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यवाही के लिए तैयार रहें। बैठक में अपर आयुक्त आरके श्रीवास्तव, विजय राज, मुनीश सिकरवार, अपर आयुक्त वित्त श्रीमती रजनी शुक्ला, उपायुक्त अमर सत्य गुप्ता उपस्थित रहे।

दो दिन के अंदर 1303 ई-रिक्शा का हुआ पंजीयन

ग्वालियर। शहर में आधा दर्जन स्थानों पर नाके सह शिविर लगाकर ई-रिक्शा का पंजीयन किया जा रहा है। दो दिन के भीतर 1303 ई-रिक्शा पंजीकृत किए जा चुके हैं। पंजीयन के दूसरे दिन 521 ई-रिक्शा का पंजीयन किया गया। शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम, सुचारू व सुव्यवस्थित बनाने के लिये ई-रिक्शा के रूट निर्धारित किए जा रहे हैं। साथ ही लॉटरी पद्धति से यह तय किया जायेगा कि किस रूट पर कौन सा पंजीकृत ई-रिक्शा चलेगा।

स्मार्ट सिटी के कंट्रोल एण्ड कमाण्ड सेंटर के अनुसार पंजीयन के दूसरे दिन हजीरा क्षेत्र में स्थापित किए गए नाका सह शिविर में 124 ई-रिक्शा का पंजीयन किया गया। इसी तरह बारादरी पर 52, गोला का मंदिर पर 87, फूलबाग चौराहे पर 90, महाराज बाड़ा पर 56 एवं आमखो पर स्थापित किए गए नाका सह शिविर में 112 ई-रिक्शों का पंजीयन किया गया। दोनों दिनों के पंजीयन को मिलाकर हजीरा क्षेत्र में स्थापित नाके पर 251, बारादरी में 156, गोला का मंदिर में 317, फूलबाग में 145, महाराज बाड़ा में 238 एवं आमखो क्षेत्र में स्थापित किए गए नाका सह शिविर में अब तक 196 ई-रिक्शा का पंजीयन किया जा चुका है। ज्ञात हो गत 23 जून को शहर में आधा दर्जन स्थानों पर ई-रिक्शा का पंजीयन शुरू किया गया था। इन स्थलों पर पंजीयन का काम 29 जून तक किया जायेगा। ई-रिक्शा का पंजीयन कराने के लिये एक हफ्ते का अंतिम मौका दिया गया है। शहर में नाके सह शिविर लगाकर आधा दर्जन स्थानों पर ई-रिक्शा का पंजीयन किया जा रहा है। इन नाकों पर 29 जून तक ई-रिक्शा पंजीयन की कार्यवाही की जायेगी। अंतिम तिथि के बाद बगैर पंजीयन के कोई ई-रिक्शा शहर में चलता मिला तो उसे जब्त करने की कार्रवाई की जायेगी।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. अंजली पब्लिकेशन एबी रोड़ मथुरा से मुद्रित, एवं ए-44-फस्ट फ्लोर, अशोका इन्क्लेव, पार्ट-2 सेक्टर- 37 फरीदाबाद हरियाणा (NCR) से प्रकाशित,
आरएनआई नं. एचएआरएचआईएन /2009/ 28496 संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे। मो. 9958434103 सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।